सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-101
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 16 जुलाई 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

जैसे सूर्योदय होते ही अंधकार दूर हो जाता है वैसे ही मन की प्रसन्नता से सारी बाधाएं शांत हो जाती है।

सिंगल कॉलम

न्यूज चैनल को चुप कराने की कोशिश सरासर सियासी बदला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कन्नड़ न्यूज चैनल पावर टीवी पर प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने को लेकर केंद्र सरकार को फटकार लगाया है। कोर्ट ने लाइसेंस रिन्यूअल के लिए आवेदनों के निपटारे तक ऐसे प्रतिबंधों के बारे में केंद्र से सवाल भी किया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल विक्रमजीत बनर्जी से पूछा कि कितने चैनलों ने लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमारे सामने डेटा पेश करें कि कितने चैनलों ने लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन किया था और इनमें से कितनों को प्रसारण बंद करने के लिए कहा गया था। हम जानना चाहते हैं कि पिछले तीन साल में नवीनीकरण के लिए आवेदन करने वाले कितने टीवी चैनलों को मंजूरी मिलने तक प्रसारण बंद करने का आदेश दिया गया। पीठ में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल थे। हालांकि प्रतिबंध के खिलाफ पावर टीवी की याचिका पर सुनवाई 22 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इसकी वजह सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता अनुपस्थिति बताई गई है। चैनल के अतिरिक्त निदेशक राकेश शेट्टी ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया जिसमें कहा गया कि चैनल पर प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित सेक्स स्कैंडल पर पदार्फाश बंद करने के लिए लगातार दबाव डाला जा रहा था और चैनल के खिलाफ कार्रवाई उसके प्रसारण पर रोक लगाने के लिए की गई थी। अपने ऊपर लगे आरोपों के सबूतों के सामने आने के बाद जर्मनी भाग गए रेवन्ना को भारत लौटने के बाद 31 मई को गिरफ्तार किया गया था। उन पर यौन शोषण के तीन अलग-अलग मामले दर्ज हैं, जिनमें एक पूर्व घरेलू सहायिका, हासन जिला पंचायत के पूर्व सदस्य और 60 साल की एक महिला के आरोप शामिल हैं। चैनल का प्रतिनिधित्व रंजीत कुमार और सुनील फर्नांडीस ने कर रहे थे।

हिंडनबर्ग मामले में अडानी समूह के खिलाफ लगी रिव्यू पिटीशन खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अडानी समूह को राहत दे दी है। कोर्ट ने समूह पर लगे शेयरों की हेराफेरी के आरोपों की जांच का जिम्मा सीबीआई को देने से मना करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की याचिका को खारिज कर दिया है। हिंडनबर्ग रिपोर्ट की अडानी समूह पर आई रिपोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका लगाई गई थी कि समूह पर लगे शेयरों की हेराफेरी के आरोपों की जांच की जाए, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सबूतों को देखते हुए 3 जनवरी को फैसला सुनाते हुए कहा था कि सीबीआई या एसआईटी को जांच सौंपने की जरूरत नहीं है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने तीन जनवरी के खिलाफ जनहित करने वाली याचिका को खारिज करते हुए कहा कि रिव्यू पिटीशन पर गौर करने के बाद कोई गलती या कमी दिखाई नहीं देती है। ऐसे में इस याचिका पर विचार करने का कोई मतलब नहीं है इसलिए इस याचिका को खारिज किया जा रहा है। रिव्यू पिटीशन करने वाले समूह ने दावा किया कि 3 जनवरी को आए फैसले में गलतियां थीं। सेबी ने अपनी रिपोर्ट में आरोपों के बाद केवल 24 केसों में जांच की स्थिति के बारे में जानकारी दी थी लेकिन उसने इनके पूरा या अधूरा होने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। इसलिए उस फैसले पर यह रिव्यू पिटीशन लगाई गई है कि यह केस सीबीआई या फिर एसआईटी को दिए जाएं।

हमले के बाद डोनाल्ड ट्रंप के शेयरों से एक दिन में कमाए 2.1 अरब डॉलर

नई दिल्ली। अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर शनिवार को पेंसिलवेनिया के बटलर में चुनावी रैली के दौरान हमला हुआ। इस हमले में गोली उनके कान पर लगी लेकिन उनकी हालत ठीक है। हमलावर को मार गिराया गया है। वहीं, हमले के बाद अपनी मीडिया कंपनी के शेयरों में आई तेजी से ट्रंप मालामाल हो गए हैं। हमले के बाद ट्रंप की सोशल मीडिया कंपनी की वैल्यू सोमवार को बढ़ गई। ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप के शेयर की कीमत प्रीमार्केट ट्रेडिंग में 53 फीसदी बढ़ गई। मार्च के अंत में कंपनी की शुरुआत के बाद से यह सबसे बड़ी सिंगल-डे बढ़त है। ट्रुथ सोशल में ट्रंप की अहम हिस्सेदारी की वैल्यू तेजी से बढ़ रही है। मौजूदा कीमतों पर, ट्रंप मीडिया में पूर्व राष्ट्रपति के 1147.5 लाख शेयरों की वैल्यू लगभग 5.6 अरब डॉलर है। यह शुक्रवार के 3.5 अरब डॉलर के लेवल से ज्यादा है। टिकर सिंबल डीजेटी के तहत ट्रेडिंग करते हुए ट्रंप मीडिया ने कम रेवेन्यू बनाने के बावजूद बड़े पैमाने पर वैल्यूएशन हासिल किया है और ट्रुथ सोशल, सोशल मीडिया में एक छोटा प्लेयर बना हुआ है।

सीएम मोहन यादव ने मुंबई में निवेशकों के साथ हुई वन टू वन चर्चा को लेकर किए कई खुलासे

मध्यप्रदेश में आने वाला है 75,000 करोड़ रुपए का निवेश

भोपाल। मध्यप्रदेश की नई सरकार एक बार फिर से निवेशकों प्रोत्साहित करने में जुटी है। मप्र में करीब 75,000 करोड़ रुपए का निवेश आने वाला है। 13 जुलाई को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मुंबई में निवेशकों के साथ वन टू वन बात की थी। बातचीत के दौरान एमपी में निवेश के कई बड़े प्रस्ताव आए हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल में इसकी जानकारी दी। उन्होंने होटल इंडस्ट्री से लेकर रक्षा क्षेत्र तक में निवेशकों ने निवेश की बात कही है। उन्होंने कहा कि योटा डेटा सर्विस ने इंदौर में 500 करोड़ और एल एंड टी ने इंदौर में 2000 करोड़ रुपए निवेश की बात कही है। रलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप ने सिंगरौली और अन्य जिलों में 50,000 करोड़ रुपए के निवेश का वादा किया है। साथ ही गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने भिंड जिले के मालनपुर में 450 करोड़ रुपए निवेश का वादा किया है। इसके साथ ही ग्रेसिम इंडस्ट्रीज के एमडी एचके अग्रवाल ने नागदा और मैहर में 4000 करोड़ रुपए निवेश की बात कही है। जेएस डब्ल्यू लिमिटेड ने बैतूल, शहडोल और दमोह में 17,000 करोड़ रुपए निवेश का प्रस्ताव दिया है। सीएम ने कहा कि अनिल अंबानी डिफेंस के क्षेत्र में भी यहां निवेश करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम जबलपुर में निवेश करना चाहते हैं।

एक लाख से ज्यादा लोगों को मिलेगा रोजगार

सीएम ने कहा कि इन निवेशों से मध्यप्रदेश में कुल एक लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे। इसके साथ ही मध्य प्रदेश में टूरिज्म के क्षेत्र में भी कई निवेश आएंगे। देवास और बांधवगढ़ में महिंद्रा हॉलिडे 750 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। ओबेराय होटल ग्रुप भी 400 करोड़ रुपए लगाएगी। साथ ही वाइल्ड लाइफ टूरिज्म के क्षेत्र में साज होटल ग्रुप निवेश करेगी। सीएम ने कहा कि स्थानीय स्तर पर निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार रीजनल इनवेस्टर कॉन्क्लेव कर रही है। उज्जैन के बाद जबलपुर में कॉनक्लेव है।

20 जुलाई को जबलपुर में रीजनल कॉन्क्लेव

मोहन यादव सरकार का जोर क्षेत्रीय औद्योगिकीकरण पर है। लिहाजा राज्य में रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव आयोजित की जा रही है। 20 जुलाई को जबलपुर में रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव होने वाली है, जिसमें 1,500 निवेशकों के सम्मिलित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि अब तक औद्योगिक कॉन्क्लेव इंदौर में आयोजित किए जाते रहे हैं, अब रीजनल कॉन्क्लेव पर जोर दिया जा रहा है। उज्जैन में रीजनल कॉन्क्लेव आयोजित की गई थी, अब अगली कॉन्क्लेव 20 जुलाई को जबलपुर में आयोजित हो रही है। इसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की भी भागीदारी रहेगी।

निवेश संभावनाओं पर की जाएगी चर्चा

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि जबलपुर रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव में 1,500 निवेशकों की भागीदारी प्रस्तावित है। आयोजन के तहत बायर-सेलर मीट भी आयोजित की जा रही है, जिसमें लगभग 1,000 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी संभावित है। इसमें ताइवान और मलेशिया के भी प्रतिनिधिमंडल सम्मिलित होने वाले हैं, जिनके द्वारा एग्रो एवं डिफेंस सेक्टर में निवेश संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी।

फरवरी में भोपाल में होगी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट

सीएम ने बताया कि जबलपुर की कॉन्क्लेव में प्रदेश में स्थापित या स्थापना अधीन लगभग 70 परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए जाएंगे। इन परियोजनाओं में लगभग 1,222 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है और लगभग 3,444 रोजगार सृजित होंगे। फरवरी 2025 में भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट होगी, जिसकी थीम 'मध्य प्रदेश द फ्यूचर रेडी स्टेट' होगी। पिछले दिनों मुंबई प्रवास का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि उद्योगपति और निवेशकों के साथ राउंड टेबल बैठक हुई थी। इसमें आठ वैश्विक संस्थागत निवेशकों से चर्चा हुई।

ट्रैक्टर से टकराकर खाई में गिरी बस, 5 की दर्दनाक मौत, 40 से ज्यादा घायल

मुम्बई। श्रद्धालुओं को लेकर डोंबिवली से पंढरपुर जा रही बस हादसे का शिकार हो गई। मुंबई एक्सप्रेस हाईवे पर बस और ट्रैक्टर में भीषण टक्कर हो गई। जोरदार टक्कर के बाद बस खाई में गिर गई। एक्सीडेंट में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। 40 से अधिक लोग घायल हैं। घायलों को MGM अस्पताल में भर्ती कराया है। मुंबई पुलिस मृतकों की पहचान करने में जुटी है। एक्सीडेंट के समय बस में मौजूद दयानम भोईर ने बताया कि टक्कर के बाद उनके ऊपर तीन-चार लोग आकर गिरे। बाहर आने के बाद दयानम ने चार अन्य यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। जो बाहर नहीं निकल पाए, वो मुश्किल में पड़ गए।

अफसर समेत चार सैनिक शहीद, आतंकी संगठन कश्मीर टाइगर्स ने ली हमले की जिम्मेदारी

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सोमवार रात को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें सेना के एक अधिकारी समेत चार जवान शहीद हो गए। बता दें कि सेना के राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस की विशेष ऑपरेशन समूह ने धारी गोटे उरारबागी के देसा वन क्षेत्र में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। इसी दौरान जंगल में छुपे आतंकियों और सेना के जवानों के बीच एनकाउंटर शुरू हो गया। सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच भारी गोलीबारी हुई, जिसमें पांच जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें सेना के चार जवान और एक अफसर शामिल थे। सभी घायल सैनिकों को इलाज के लिए सोमवार रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मंगलवार सुबह इनमें से चार जवानों की मौत हो गई।

मंदिर है या मस्जिद?

भोजशाला पर एएसआई ने हाईकोर्ट को सौंपी 2000 पन्नों की रिपोर्ट

इंदौर। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने सोमवार को विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण की अपनी रिपोर्ट मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर पीठ को सौंप दी। एएसआई के वकील हिमांशु जोशी ने 2000 से अधिक पन्नों की रिपोर्ट हाईकोर्ट के रजिस्ट्री को सौंपी। जोशी ने बताया कि मैंने रिपोर्ट सौंप दी है। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय इस मामले पर 22 जुलाई को सुनवाई करेगा। 4 जुलाई को हाईकोर्ट ने एएसआई को आदेश दिया था कि वह विवादित 11 वीं सदी के स्मारक के परिसर में लगभग तीन महीने तक किए सर्वेक्षण की पूरी रिपोर्ट 15 जुलाई तक पेश करे। इस स्मारक को लेकर हिंदुओं और मुसलमानों के बीच विवाद है। भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है , जबकि मुस्लिम पक्ष 11 वीं सदी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह परिसर एएसआई द्वारा संरक्षित है। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस नामक संगठन की अर्जी पर मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने 11 मार्च को एएसआई को भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने का आदेश दिया था। इसके बाद एएसआई ने 22 मार्च से इस विवादित परिसर का सर्वेक्षण शुरू किया था जो हाल ही में खत्म हुआ।

एएसआई ने कोर्ट को यह बताया

बार एंड बेंच के मुताबिक आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने कोर्ट में बताया कि सजे हुए खंभों और पिलास्टर की कला और वास्तुकला से यह कहा जा सकता है कि वे पूर्व के मंदिर का हिस्सा थे और इनका इस्तेमाल मस्जिद के स्तंभ बनाने के लिए किया गया। यह भी कहा गया है कि एक स्तंभ पर देवताओं की खंडित छवियां हैं। एक अन्य स्तंभ के आधार पर देवता की छवि दर्शाई गई है। दो भित्तिस्तंभों पर पर खड़ी छवियां काट दी गई हैं और उनकी पहचान नहीं हो सकी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मस्जिद में मानव या पशु की छवि नहीं हो सकती है, इसलिए कई स्थानों पर ऐसी तस्वीरों को विकृत किया गया है। स्तंभों और भित्तिस्तंभों पर ऐसे प्रयास दिखाई देते हैं। एएसआई ने निष्कर्ष में कहा है कि वैज्ञानिक जांच, सर्वे, खुदाई, इसमें मिली चीजों के अध्ययन, विश्लेषण, पुरातत्विक वस्तुओं के अध्ययन, मूर्तियां और शिलालेख, कला और शास्त्र के आधार पर यह कहा जा सकता है कि मौजूदा ढांचा मंदिर के हिस्सों से बनाया गया है।

हिंदू पक्ष के वकील बोले- हमारा पक्ष मजबूत

हिंदू फ्रंट ऑफ जस्टिस के वकील एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने कहा कि इस मामले में एएसआई रिपोर्ट महत्वपूर्ण है। एएसआई रिपोर्ट ने हमारे केस को मजबूत किया है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बैंच के सामने हमने कहा था कि यह परिसर एक हिंदू मंदिर का है। इसका इस्तेमाल मस्जिद की तरह हो रहा है। 2003 में एएसआई ने जो आदेश पारित किया था, वह पूरी तरह गलत है। देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन है। हमने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। हाईकोर्ट ने एएसआई को साइंटिफिक स्टडी के निर्देश दिए थे। दो हजार पेज की रिपोर्ट में हमारा पक्ष मजबूत हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की कार्यवाही पर स्टे दे रखा है। इस वजह से हम सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं।

परमारकालीन इमारत

हिंदू पक्ष के याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने दावा किया कि यह इमारत राजा भोज के काल की ही साबित होगी, जिसे वर्ष 1034 में बनाया गया था। एएसआई को इस सर्वे में कई प्राचीन मूर्तियां मिली हैं, जो परमारकालीन हो सकती हैं। इस तरह ये परमारकालीन इमारत है। अवशेषों से लगभग तय माना जा रहा है कि इसका निर्माण 9वीं से 11वीं शताब्दी के बीच का है। एक गर्भगृह के पास ईंटों से बनी 27 फीट लंबी दीवार भी मिली है। पुरातत्वविदों का मानना है कि ईंटों से निर्माण और भी प्राचीन समय में होता था। मोहन जोदड़ो सभ्यता के समय, यानी यह स्थान और भी प्राचीन हो सकता है।

जिला प्रशासन की वेबसाइट पर भोजशाला बताया

जिला प्रशासन की वेबसाइट के अनुसार भोजशाला राजा भोज ने बनवाई थी। यह यूनिवर्सिटी थी, जिसमें वाग्देवी की प्रतिमा स्थापित की गई थी। मुस्लिम शासक ने इसे मस्जिद में परिवर्तित कर दिया था। इसके अवशेष प्रसिद्ध मौलाना कमालुद्दीन मस्जिद में देखे जा सकते हैं। यह भोजशाला के कैंपस में है जबकि देवी की प्रतिमा लंदन के म्यूजियम में रखी है।एएसआई ने 22 मार्च को इस विवादित परिसर का सर्वे शुरू किया था। करीब तीन महीने यह सर्वे चला। दरअसल, पूरा विवाद एजेंसी के सात अप्रैल 2003 के आदेश को लेकर है। हिंदुओं और मुस्लिमों में विवाद बढ़ने पर एएसआई ने आदेश जारी कर परिसर में प्रवेश को सीमित किया था। आदेश के बाद 21 साल से हिंदू सिर्फ मंगलवार को भोजशाला में पूजा-अर्चना कर सकते हैं। मुस्लिम सिर्फ शुक्रवार को नमाज अदा कर सकते हैं। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने इस व्यवस्था को चुनौती दी है।

वैज्ञानिक सर्वे के खिलाफ याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार

धार जिले स्थित भोजशाला के वैज्ञानिक सर्वेक्षण के खिलाफ याचिका पर शीर्ष अदालत में सुनवाई की जाएगी। अदालत ने इस मामले पर सुनवाई के लिए सहमति जताई है। 11 मार्च को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भोजशाला के वैज्ञानिक सर्वेक्षण की अनुमति प्रदान की थी। इसके बाद मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी ने उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने के लिए शीर्ष अदालत में याचिका दर्ज की थी। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने 11 मार्च को दिए गए आदेश में एएसआई को छह महीने के भीतर भोजशाला परिसर का सर्वेक्षण करने के निर्देश दिए थे। अब शीर्ष अदालत में न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भाटी ने इस मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। दरअसल, इससे पहले शीर्ष अदालत में हिंदू याचिकाकर्ताओं की तरफ से वकील के रूप में विष्णु शंकर जैन पेश हुए थे। उन्होंने अदालत को बताया था कि एएसआई ने इस मामले में अपनी रिपोर्ट जमा कर दी है। उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि हिंदू पक्ष ने इस लंबित मामले में अपना जवाब भी दाखिल कर दिया है।

सार्वजनिक नहीं होगी रिपोर्ट

एएसआई की रिपोर्ट की प्रतियां दोनों ही पक्षों को सौंपी जाएगी। कोर्ट ने दोनों ही पक्षों को सख्त निर्देश दिए हैं कि रिपोर्ट को सार्वजनिक न करें। एएसआई ने कार्बन डेटिंग, जीपीएस सहित अन्य तकनीक इस सर्वे में अपनाई है। भोजशाला के बड़े हिस्से में खुदाई भी की गई है। दावा किया गया है कि खुदाई के दौरान पुरानी मूर्तियों के अवशेष, धार्मिक चिह्न मिले हैं। अफसरों ने सर्वे की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी भी कराई है। सर्वे रिपोर्ट में खुदाई में मिले अवशेषों के फोटो भी प्रस्तुत किए गए।

100 से ज्यादा लोगों के पास मिले फ्लाइट के फर्जी टिकट, अयोध्या यात्रा रोकी

मदुरै। मदुरै एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने अयोध्या जा रहे 100 से ज्यादा लोगों को फर्जी टिकट पर यात्रा करने से रोक दिया दिया। पुलिस सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अयोध्या मंदिर जाने के लिए सलेम में एक ट्रैवल एजेंट के जरिए इंडिगो फ्लाइट में टिकट बुक करने वाले सभी 106 यात्रियों को एयरपोर्ट के प्रवेश द्वार पर रोक दिया गया। उन्हें मदुरै से अपनी यात्रा शुरू करनी थी और दिल्ली और वाराणसी होते हुए अयोध्या जाना था। ट्रैवल एजेंट ने यात्रा, ठहरने और दूसरे खर्चों के लिए प्रति व्यक्ति 30,000 रुपये वसूले थे। सूत्रों ने बताया कि टिकट फर्जी पाए गए और इसलिए वे यात्रा करने के योग्य नहीं थे। इसके अलावा 106 यात्रियों में से 12 डिंडीगुल और बाकी सलेम के थे। सूत्रों के मुताबिक उन सभी को बस में एयरपोर्ट लाया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एयरपोर्ट अधिकारियों ने अपने डेटाबेस से क्रॉस-चेकिंग के दौरान पाया कि टिकट फर्जी हैं। सूत्रों ने बताया कि टिकट बुक करने वालों ने उन्हें रद्द कर दिया होगा, जिससे जाहिर तौर पर यात्रियों के पास मौजूद टिकट अमान्य हो गए। जब यात्रियों ने ट्रैवल एजेंट से संपर्क किया तो उसने पहली बार ग्राहकों के लिए हवाई यात्रा की व्यवस्था की थी, उसे इस बारे में कुछ भी पता नहीं था। उसने बताया कि उसने किसी दूसरे व्यक्ति के जरिए टिकट बुक किए थे और उसे इस गड़बड़ी के लिए उस पर संदेह था।

युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष की नियुक्ति पर मचा बवाल!

दृगपाल सिंह का कोई अस्तित्व नहीं जिसे अध्यक्ष चुन लिया यदि पार्टी ने नहीं हटाया तो प्रदेश कार्यालय के सामने करेंगे धरना प्रदर्शन - मंजीत यादव

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, विगत दिनों जिले में हुई युवा कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति पर मचा बवाल! जानकारी के अनुसार जला पंचायत सदस्य दृगपाल सिंह लोधी निवासी ग्राम पंचायत दतला को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दमोह युवा कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया था अब इस नियुक्ति पर बवाल मचा हुआ है कांग्रेस पार्टी के पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष मंजीत यादव (विगत 12 वर्षों से युवा कांग्रेस अध्यक्ष) का कहना है कि जिसका कोई अस्तित्व नहीं उसे पार्टी ने सीधा अध्यक्ष बना दिया यदि अध्यक्ष बनाना ही था तो पार्टी के किसी भी व्यक्ति को अध्यक्ष बना देते लेकिन एक ऐसे व्यक्ति को जो सपा पार्टी से चुनाव लड़ा और चुनाव में चंद वोटों को ही प्राप्त कर पाया उसे अध्यक्ष कैसे बना दिया गया? इस मामले में विगत दिवस जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में इसका विरोध भी किया है हम अकेले नहीं बल्कि सभी कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता भी इस नियुक्ति से नाराज़ हैं यदि पार्टी दृगपाल सिंह को अध्यक्ष पद से नहीं हटाएगी तो हम सभी कार्यकर्ता जो पार्टी के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं प्रदेश

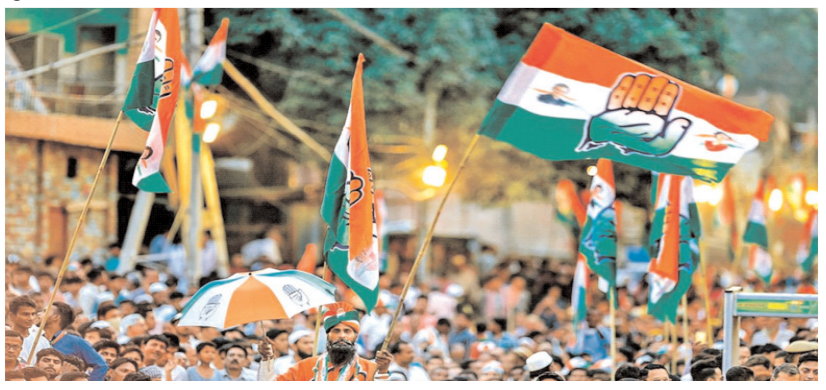

कार्यालय के सामने धरना देंगे और मुझे पूर्ण विश्वास है कि पार्टी इस संबंध में उचित निर्णय लेगी, बैठक में सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दृगपाल सिंह को अध्यक्ष पद से हटाने का आश्वाशन दिया गया है अब शीर्ष प्रतिनिधित्व करेगा। इस पूरे वाक्या से समझ सकते हैं कि कांग्रेस का जो सदस्य नहीं वह युवा कांग्रेस का अध्यक्ष नहीं, जबकि पूर्व जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस ने तो साफ कर दिया कि जिसका कोई अस्तित्व नहीं ऐसे अध्यक्ष का महत्व नहीं। सूत्रों की माने तो कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ता दृगपाल सिंह लोधी को पार्टी में जगह तो देना चाहते हैं लेकिन सीधा जिला अध्यक्ष नियुक्त करना सही नहीं मान रहे हैं उनका कहना है कि दृगपाल सिंह को पहले सदस्यता लेनी चाहिए फिर पार्टी उनके कार्यों को देख कर कोई पद देगी। हालाकि दृगपाल सिंह लोधी राजनीति में सक्रिय नेता के तौर पर देखे जाते हैं लेकिन कब कौन किसके हो जाएं? यह कहना मुश्किल है कभी निर्दलीय तो कभी सपा अब कांग्रेस पार्टी इन सब की वजह से इन्हें अब कोई सीरियस नहीं ले रहा है। लिहाजा कांग्रेसी भी दृगपाल को अस्तित्व बिहीन मान रहे हैं।

बेटी के लिवर से पिता मिली जिंदगी 17 दिन बाद अस्पताल से डिस्चार्ज

इंदौर। हाईकोर्ट की परमिशन के बाद पिता को नाबालिग बेटी का लिवर ट्रांसप्लांट किया गया। अब पिता की हालत ठीक है। 17 दिन तक चले इलाज के बाद सोमवार को पिता शिवनारायण बाथम को डिस्चार्ज कर दिया गया। 27 जून को हाईकोर्ट की अनुमति के बाद प्राइवेट हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम ने 12 घंटे से ज्यादा समय तक ट्रांसप्लांट प्रोसेस की थी। डॉ. अमित बरफा के मुताबिक बेटी को एक हफ्ते बाद डिस्चार्ज कर दिया गया था। पेशेंट बाथम अब पूरी तरह ठीक हैं। वे चल-फिर रहे हैं और डाइट भी अच्छी ले रहे हैं। उन्हें खाने-पीने में हिदायत दी गई है। उन्हें छह माह तक कच्चे फलों और सलाद को सेवन से बचना होगा, क्योंकि इससे इन्फेक्शन का खतरा हो सकता है। तेज मसालेदार और चटपटे व्यंजन से दूर रहना होगा। ऐसे ही भीड़ वाले स्थानों से भी दूर रहना होगा। उन्हें अब तीसरे, फिर पांचवें और एक हफ्ते में फॉलोअप के लिए दिखाना होगा। दवाइयां उम्रभर लेनी होंगी। बेटी को एक हफ्ते के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया था। अब उसे मेडिसिन जरूरत नहीं है।

जून में हुआ था ऑपरेशन जून में डॉक्टरों की टीम की निगरानी में सफलतापूर्वक बेटी और पिता का लीवर ट्रांसप्लांट कर लिया गया था। ऑपरेशन के बाद पिता और बेटी दोनों को आईसीयू में रखा गया था। बता दें कि इंदौर के ग्रामीण क्षेत्र के रहने वाले 42 वर्षीय शिवनारायण बाथम ने इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर करके गुहार लगाई थी कि उनकी 17 साल की बेटी उन्हें अपना लिवर दान करने को तैयार है। इसके लिए उच्च न्यायालय की मंजूरी दी जाए, वहीं करीब 14 दिन बाद हाईकोर्ट ने लिवर ट्रांसप्लांट की मंजूरी दे दी।

दो माह कम थी बेटी की उम्र शिवनारायण बाथम को डोनर नहीं मिलने पर बेटी ने ही लिवर देने का फैसला किया था। बालिग होने में बेटी की उम्र 2 महीने कम पड़ गई जिसके चलते डॉक्टरों ने लिवर ट्रांसप्लांट से मना कर दिया था। इसके बाद बेटी ने 13 जून को हाई कोर्ट में परमिशन के लिए याचिका लगाई। बेटी ने दलील दी कि उम्र सिर्फ 2 महीने कम है और पिता के लिए अगले 15 दिन बहुत क्रिटिकल हैं।

मां-बेटी का नृत्य देख झूम उठे विदेशी

इंदौर की स्वाति और अन्वी ने पोलैंड में मचाई धूम

इंदौर। सात समंदर पार लंदन जाकर बस चुकी इंदौर की बेटी स्वाति बंसल और उनकी बेटी अन्वी ने रविवार को पौलेंड के सिलेसिया पार्क में कुचीपुड़ी नृत्य की प्रभावी ग्रुप प्रस्तुति दी। पार्क में मौजूद भारतीय एवं विदेशी दर्शकों ने दोनों का उत्साहवर्धन किया। इंदौर की बेटी स्वाति लंदन के भारतीय डांस ग्रुप नटरंग और अरुणिमा कुमार डांस कंपनी से जुड़ी हैं, जिन्होंने पौलेंड के पार्क में अपनी प्रस्तुतियों से प्रवासी देशी-विदेशी दर्शकों का मन मोह लिया। स्वाति के पिता महेश बंसल इंदौर के मनीषबाग में रहते हैं। उन्होंने बताया कि बेटी स्वाति सेंट रेफियल स्कूल में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद शहर के जीएसआईटीएस से इंजीनियरिंग डिग्री हासिल कर बैंगलुरू आईआईएम पहुंची, जहां से एमबीए की डिग्री प्राप्त करने के बाद अब लंदन की एक

बहुराष्ट्रीय कंपनी में महत्वपूर्ण पद पर काम कर रही हैं।

कथक का प्रशिक्षण लिया बचपन से नृत्य के प्रति रुचि के चलते स्वाति ने यहां कथक का आंशिक प्रशिक्षण भी लिया था। परिवार में होने वाले मांगलिक प्रसंगों में स्वाति का नृत्य आकर्षण का केन्द्र रहता था। महाविद्यालयीन शिक्षा और विवाह के बाद नौकरी एवं बच्चों की परवरिश के दौरान लंदन में नृत्य की इस रुचि से स्वाति लगभग दूर हो गई थी, लेकिन कोविड काल में जब लंदन में उन्हें पता चला कि यहां कुचीपुड़ी नृत्य की ऑनलाइन कार्यशाला भी उपलब्ध है तो स्वयं के साथ बेटी के लिए भी प्रशिक्षण लेना शुरू किया।

सोशल मीडिया पर हुई लोकप्रिय कोरोना के बाद सप्ताहंत में दोनों नृत्य शाला जाकर प्रशिक्षण भी प्राप्त करने लगी। अब स्थिति यह है कि स्वाति और उनकी बेटी अन्वी, दोनों ही अपने समूह की मुख्य नृत्यांगना बन चुकी हैं और प्रतिवर्ष एकाधिक अवसरों पर लंदन में उनकी प्रस्तुति होती रहती है। इस बार रविवार, 14 जुलाई को लंदन के बाहर पौलेंड में सिलेसिया पार्क में हुई प्रस्तुति की लोकप्रियता का आलम यह रहा कि वहां के अनेक लोगों ने उनके कुचीपुड़ी नृत्य की तस्वीरें अपने फेसबुक वॉल पर लगा रखी है, जिन्हें बड़ी संख्या में लाइक-कमेंट्स मिल रहे हैं।

व्यापारिक कांग्रेस प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ने लगाया आरोप

जीतू पटवारी कांग्रेस को कर रहे कमजोर

इंदौर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और कांग्रेस प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह के खिलाफ व्यापारी कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अजय चौरड़िया ने मोर्चा खोल लिया है। उन्होंने कहा कि दोनो हरल्ले नेता है और उन्हें प्रदेश में कांग्रेस की कमान सौंपी गई है। वे कांग्रेस को मजबूत करने के बजाए कमजोर कर रहे है। चौरड़िया ने कहा कि पटवारी इंदौर के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में नेतागणों के साथ मिलकर जमीनों के धंधे करते है और उनके भाजपा नेतागणों से भी व्यापारिक रिश्ते है।

चौरड़िया ने पटवारी पर भाजपा के साथ नूरा कुश्ती का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में जिन सीटों पर कांग्रेस टक्कर दे सकती थी, वहां जानबूझ कर टिकट देरी से तय किए गए। पार्टी से चुनाव के लिए उम्मीदवारों को फंड जारी हुआ था उसे भी देरी से दिया और कटौती भी की।

उन्होंने यह भी कहा कि इंदौर के कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय बम के भाजपा में जाने की जानकारी भी पटवारी को पहले से थी। उन्होंने इंदौर में कांग्रेस के डमी उम्मीदवार को फार्म भरने से भी रोका था। अभी भी पटवारी अक्षय से बात करते है। उन्होंने आलाकमान से पटवारी और जितेंद्र सिंह को हटाने की मांग की।

नहीं मिलते पार्टी कार्यालय में चौरड़िया ने कहा कि जो नेता उन्हें पार्टी की जमीनी हकीकत बताने की कोशिश करते है, उनके नंबर पटवारी ने ब्लैक लिस्टेड कर रखे है। वे प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में नहीं बैठते। चौरड़िया ने कहा कि पेपर लीक कांड में हमने भूख हड़ताल की अनुमति मांगी थी,लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। ड्रेनेज लाइन घोटाले को लेकर भी कांग्रेस ने कोई बड़ा प्रदर्शन नहीं किया।

इंदौर से सहित प्रदेश के कई इलाकों में मानसून मेहरबान

इंदौर। मध्यप्रदेश में बारिश के 3 सिस्टम एक्टिव हैं। सोमवार को भोपाल-इंदौर समेत 19 जिलों में बारिश हुई। खरगोन के सनावद में एक टैंकर बांकुर नदी की बाढ़ में बह गया। बड़वाह में मकान-दुकानों में पानी घुस गया। नर्मदा नदी का वाटर लेवल 2 फीट से ज्यादा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में राजगढ़, गुना, विदिशा के उदयगिरी और सिवनी में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। शाजापुर, अशोकनगर, सागर, रायसेन के भीमबैठिका और सांची, दतिया के रतनगढ़, भिंड, ग्वालियर, शिवपुरी में मध्यम गरज के साथ आकाशीय बिजली गिरने का अनुमान है। सोमवार को शाम तक मंडला में सबसे ज्यादा 1 इंच बारिश हुई। रतलाम में भी तेज बारिश हुई। यहां भी करीब 1 इंच बारिश हुई है। छिंदवाड़ा, जबलपुर में आधा इंच के करीब पानी गिरा। इंदौर, सीहोर, भोपाल, रतलाम, मुरैना, नरसिंहपुर, सागर, उमरिया, धार, ग्वालियर, नर्मदापुरम, खरगोन, रतलाम, शिवपुरी समेत अन्य जिलों में भी बारिश का दौर जारी रहा।

बड़वाह में बारिश के बाद पड़ाली गांव

में घुसा पानी खरगोन जिले में सोमवार को तेज बारिश हुई। बड़वाह से 13 किमी दूर पड़ाली खुर्द और पड़ाली बजुर्ग में लोगों के घरों में पानी घुस गया। गांव के सरपंच सुनील गुर्जर ने बताया कि गांव में पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं है। पहले पुलिया बनी थी। फोरलेन निर्माण के दौरान उसे तोड़कर पाइप डाल दिए गए। फोरलेन के कारण सड़क के दोनों तरफ स्थित गांव नीचे हो गए है।

शाजापुर के शुलाजपुर में भी तेज बारिश शाजापुर जिले के शुजालपुर में भी तेज बारिश का दौर जारी है। यहां के तिलवद और मैना में तेज बारिश हो रही है। क्षेत्र में अब तक 269 मिमी बारिश दर्ज हुई है। बीते साल अब तक 386 मिमी बारिश हो चुकी थी।

आगर मालवा में तेज बारिश, सड़कों-गलियों में भरा पानी आगर मालवा में सोमवार को तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। इससे बड़ौद रोड चौराहा, छावनी मार्ग समेत प्रमुख चौराहों पर जलभराव के हालात हो गए। वहीं गलियों में भी पानी भर गया। सड़कों पर पानी भरने के कारण वाहन चालकों को भी परेशान होना पड़ा। जिले में सोमवार सुबह तक 205 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं वृहद कुंडलिया परियोजना के अंतर्गत बना डैम अपनी क्षमता का 42.08 प्रतिशत भर चुका है।

मां की कोख से चिता की आग फिर राख यही है हमारी कहानी : आचार्य प्रमाण सागरजी

इंदौर। आज हर कोई याचक की दशा मे खड़ा हुआ है हर व्यक्ति जीवन में सदेव कमी होने का कहता है,यदि आप सब दुख मिटाने चाहते हैं तो आखें बंद कर अपने अंदर देखे व चार बाते स्वयं को जानो जागो त्यागो और पाओ सबसे पहले स्वयं को जानो मैं कोन हुं,अपने काल्पनिक स्वरूप को ही असली मान बैठा है, माँ की कोख से लेकर चिता फिर राख बस यहि हमारी कहानी है, यह बाते गांधी कोल्ड स्टोरेज नेमावर रोड पर गुणायतन प्रणेता भावना योग प्रवर्तक आचार्य प्रमाण सागर जी ने प्रवचन में कही।इस अवसर पर हंसमुख उर्मिला गांधी रजनीकांत गांधी, होलास आशा सोनी जैन,पार्षद राजीव जैन, आर के जैन, कमलेश कासलीवाल दिलीप मेहता मनोज बाकलीवाल,विमल अजमेरा कैलाश लूहाड़ीया, राहुल सेठी,संजय जैन अहिंसा, अनिल रावत, रमेश जैन अशोक खासगीवाल,आशीष जैन मुकेश टोंग्या,चंद्रश जैन, निर्भय सोनी राजेन्द्र गंगवाल, मयंक पहाड़ीया सुरेश लुहड़िया सहित अन्य ने आचार्यश्री को श्रीफल भेट किया। कालोनी में आने के लिए प्रतिनिधियों ने श्री फल भेट किए, आचार्य श्रीं के आहार का सौभाग्य हंसमुख उर्मिला गांधी रजनी कांत गांधी परिवार को प्राप्त हुआ।

राज्य सेवा परीक्षा 2024 में पद नहीं बढाने से अभ्यर्थी नाराज

इंदौर । राज्य सेवा परीक्षा 2024 में पद नहीं बढ़ाए जाने से अभ्यर्थी नाराज है। सोमवार को उन्होंने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) कार्यालय पर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों का कहना था कि प्रारंभिक परक्षा खत्म हो चुकी है। मगर आयोग बढ़ाने को तैयार नहीं है।

पिछले कुछ सालों में हुई परीक्षाओं में सबसे कम पद 2024 में निकाले गए है। मामले में अभ्यर्थियों ने ज्ञापन सौंपा है। दिसंबर में आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा 2024 को लेकर विज्ञापन निकाला था, जिसमें 60 पद रखे गए थे। कम पद होने से अभ्यर्थियों ने आपत्ति दर्ज कराई। महीनेभर बाद आयोग ने 50 पद बढ़कर 110 पदों पर परीक्षा करवाने का फैसला लिया।

23 जून को हुई थी प्रारंभिक परीक्षा

23 जून को प्रारंभिक परीक्षा करवाई गई, जिसमें दो लाख 33 हजार अभ्यर्थी शामिल हुए थे। अब अभ्यर्थी दोबारा आयोग के समक्ष पद बढ़ाने की मांग लेकर पहुंचे। अभ्यर्थियों ने कहा कि आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा 2019, 2020 व 2021 की परीक्षाओं में भी 13 प्रतिशत नियुक्तियां रुकी हुई हैं। इन पर आयोग तत्काल नियुक्तियां शुरू करें। नियुक्तियां रोके जाने से हजारों की संख्या में अभ्यर्थियों के सामने असमंजस की स्थिति बनी है। आयोग के अधिकारी रवींद्र पंचभाई का कहना है कि अभ्यर्थियों की पद बढाने की मांग संबंधित विभागों में भेज रखी है। वहां से स्थिति स्पष्ट होने के बाद पदों में वृद्धि की जाएगी। वे कहते है कि पद बढ़ाने का अधिकार विभागों के पास रहता है।

असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती परीक्षा 4 अगस्त को

इंदौर। सरकारी कालेजों में सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदों को भरने के लिए मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने परीक्षा का दूसरा चरण रखा है। आठ विषयों में सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 अगले महीने है, जिसमें 744 पद हैं। करीब तीस हजार से ज्यादा उम्मीदवार इसमें शामिल होंगे। 4 अगस्त को होने वाली परीक्षा प्रदेशभर के अलग-अलग जिलों में करवाई जाएगी। आयोग ने जल्द ही एडमिट कार्ड जारी करने की बात कही है। 25 जुलाई बाद एडमिट कार्ड डाउनलोड किए जा सकेंगे। दिसंबर 2022 में सहायक प्राध्यापक परीक्षा को लेकर आयोग ने विज्ञापन निकाला था, लेकिन उसमें शासन के निर्देश के बावजूद अतिथि विद्वानों को परीक्षा में आवेदन करने का मौका नहीं दिया। अभ्यर्थियों ने उच्च न्यायालय की शरण ली। सवा साल से अधिक प्रकरण न्यायालय में चला, जिसके बाद वंचित वर्ग को आवेदन करने के लिए आयोग को दोबारा लिंक खोलना पड़ी। पहले चरण की परीक्षा 9 जून को करवाई गई।

कुछ जिलों में बारिश का अलर्ट तो कहीं गर्मी से लोग हो रहे परेशान

भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम के अलग-अलग नजारे देखने को मिल रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग ने प्रदेश के एक दर्जन से ज्यादा जिलों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है, वहीं कई शहरों में तापमान बढ़ने के साथ ही उमस भी गर्मी ने लोगों का जमकर पसीना निकाला।

एमपी की राजधानी भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन आदि जिलों में सोमवार को बारिश के बाद लोगों को काफी राहत मिली। बारिश के बाद लोगों को तटीय इलाकों और नदियों के पास नहीं जाने के लिए जागरूक किया गया है। बरसात के बाद जलभराव से भी लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दुकानों और घरों में बरसाती पानी के अंदर घुसने से लोग परेशान रहे। आईएमडी की ओर से एमपी की राजधानी भोपाल समेत कई शहरों के लिए बारिश पर अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वानुमान की बात मानें तो उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर, हरदा, खंडवा, खरगोन आदि में भारी बारिश पर अलर्ट जारी किया गया है। जबकि, इंदौर, शाजापुर, जबलपुर, नीमच, रायसेन, आदि में मध्य बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है।

बारिश के बाद नदियों का बढ़ा जलस्तर एमपी के कई शहरों में बारिश का दौर जारी है। बारिश होने के बाद नदियों और नालों का जलस्तर भी बढ़ गया है। सरकार की ओर से लोगों से अपील की गई है कि भारी बारिश के दौरान तटीय इलाकों सहित नदियों के पास जानें से बचें। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन भी अलर्ट मोड पर आ गया है।

अभी कोई बड़ा मानसूनी सिस्टम एक्टिव नहीं मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई सुरेंद्रन ने बताया कि अभी कोई बड़ा मानसूनी सिस्टम एक्टिव नहीं है। बारिश कराने वाली मानसून ट्रफ लाइन भी ऊपर तरफ यूपी की ओर शिफ्ट हो गई है। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में बिजली गिरने और चमकने के भी आसार हैं। प्रदेश में अब तक एवरेज 25 प्रतिशत (9.3 इंच) बारिश हो चुकी है। यह औसत बारिश से 5 प्रतिशत कम है। मौसम प्रणाली के प्रभाव से भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर, शहडोल, इंदौर संभाग के जिलों में मध्यम वर्षा होने के आसार हैं। शेष क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की बौछारें पड़ सकती हैं।

रेल कोच रेस्टोरेंट के लिए नई जगह की तलाश

असामाजिक तत्व पहुंचा रहे नुकसान

भोपाल। भोपाल रेल मंडल ने रेलवे की आय बढ़ाने व रेल यात्रियों को लजीज व्यंजन उपलब्ध कराने के लिए भोपाल स्टेशन पर शुरू किए गए रेल कोच रेस्टोरेंट के लिए रेल अधिकारी अब नई जगह तलाश रहे हैं। , रेल मंडल की ओर से जोर-शोर से मार्च 2022 में भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर छह के पास यात्रियों के लिए रेल कोच रेस्टोरेंट शुरू किया गया था, लेकिन यह साल भर में ही बंद हो गया। वहीं, लावारिस हालत में होने से अब गंदगी इसके आस पास दिखने लगी है। साथ ही असामाजिक तत्व कोच को नुकसान पहुंचा रहे हैं। रेल अधिकारी एक बार फिर इस रेस्टोरेंट को शुरू करने वाले हैं। रेलवे अधिकारी भोपाल स्टेशन पर नई लोकेशन तलाश रहे है, जिससे इस रेस्टोरेंट को शुरू किया जा सके।

वर्ष 2023 से पहले ही हो गया था बंद रेलवे ने मार्च 2022 में कोच रेस्टोरेंट योजना शुरू की था। अब वह कोच बदहाली से घिर गया है। इसका संचालन पीपीपी मोड पर शुरू किया गया था। रेलवे को अनुमान था कि इससे सालाना 55 लाख रुपए से ज्यादा की आय होगी। जब यह शुरू हुआ था, तब लोग यहां अपने चार पहिया वाहन से सीधे रेस्टोरेंट तक पहुंच सकें, इसकी सुविधा शुरू की गई। इसके बाद एक बार फिर यह शुरू किया गया। लेकिन एक माह बाद यानी साल 2023 के पहले ही यह बंद हो गया। तब से कोच को बदहाली के लिए छोड़ दिया गया। लोगों का कहना है कि अब यह रेस्टोरेंट रात के समय असामाजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है। इतना ही नहीं, कोच का उपयोग शौचालय के रूप में भी हो रहा हैं।

इनका कहना है

रेल कोच रेस्टोरेंट के लिए भोपाल स्टेशन में ही नई लोकेशन देखी जा रही है, इसके बार रेस्टोरेंट के लिए टेंडर किया जाएगा। एक बार फिर यात्रियों को रेल कोच रेस्टोरेंट की सुविधा मिल सकेगी। लोकल स्तर पर लजीज व्यंजनों का जायका यात्री ले सकेंगे।

नवल अग्रवाल, एसीएम व प्रभारी पीआरओ भोपाल मंडल

खराब क्वालिटी के कारण लोगों ने बना ली थी दूरी रेल कोच रेस्टोरेंट लोगों के आकर्षण का केंद्र था। इस रेस्टोरेंट में शुरूआत में काफी भीड़ रहती थी लेकिन खाने की खराब क्वालिटी के कारण लोगो ने दूरी बना ली। अब वही परिसर गंदगी से घिरा है। यहां बदबू के कारण खड़े होना भी मुश्किल है। यह अब केवल शो-पीस है।

परीक्षाओं में धांधली को लेकर एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

नर्सिंग घोटाले के विरोध में सीएम हाउस घेरने निकले कार्यकर्ताओं को वाटर कैनन से खदेड़ा, आंसू गैस छोड़ी

भोपाल। भोपाल में नर्सिंग घोटाले, नीट पेपर लीक समेत अन्य परीक्षाओं में धांधली के विरोध में एनएसयूआई ने सोमवार को प्रदर्शन किया। प्रदेश भर से भोपाल पहुंचे कार्यकर्ता सुबह करीब 10 बजे से पीसीसी के बाहर जुटना शुरू हो गए थे। दोपहर करीब 2 बजे लगभग 2 हजार कार्यकर्ता सीएम हाउस का घेराव करने निकले। जिन्हें रेडक्रॉस हॉस्पिटल के पास बैरिकेड्स लगाकर रोक दिया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने वाटर कैनन चलाई। आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। जिससे एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे घायल हो गए। उन्हें रेडक्रॉस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। प्रदर्शन से पहले मंच के सामने कार्यकर्ताओं में जमकर धक्का-मुक्की हुई। एनएसयूआई कार्यकर्ता सड़क पर धरना देने बैठ गए। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी समेत अन्य नेताओं ने भी गिरफ्तारी दी।

बड़े तालाब में डेढ़ फीट बढ़ा पानी, 1659 फीट हुआ जलस्तर

इस माह के अंत तक लबालब हो सकता है बड़ा तालाब

भोपाल। शहर की लाइफ लाइन कहे जाने वाले बड़े तालाब में डेढ़ फीट पानी बढ़ गया है। इसके चलते तालाब का वर्तमान जलस्तर 1659 फीट पर पहुंच गया है। एक हफ्ते पहले तक तालाब का लेवल 1657.05 था। 24 जून से तालाब में पानी का लेवल बढ़ना शुरू हुआ। तब झील का जलस्तर 1650 था। 21 दिन में तालाब का पानी नौ फीट बढ़ा है। तालाब के जलस्तर के बढ़ने की मुख्य वजह तालाब के कैचमेंट एरिया में हुई बारिश बताया जा रहा है। तालाब का फुल टैंक लेवल 1662.10 है। इस लिहाज से तालाब को लबालब होने के लिए मात्र तीन फीट और पानी की जरूरत है। चूंकि बारिश का सीजन चल रहा है। ऐसे में आने वाले कुछ ही दिनों में तालाब पानी से लबालब हो जाएगा। तालाब के फुल होते ही भदभदा के गेट खोल दिए जाते हैं। निगम के अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग ने बताया कि कोलांस नदी में भी पानी की अच्छी आमद है। शनिवार को कोलांस नदी अपने लेवल से एक फीट ऊपर बही। यह पानी बड़ा तालाब में आ रहा है। इस कारण तालाब का जलस्तर और बढ़ सकता है। संभवता जुलाई के अंत तक तालाब पूरा भर जाएगा।

भारतीय कला और संस्कृति का पाठ पढ़ेंगे सरकारी स्कूल के विद्यार्थी

राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा के उद्देश्यों में शिक्षा को संस्कृति से जोड़ने की कवायद

भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी भारतीय कला और संस्कृति का पाठ पढ़ेंगे। इसके लिए शिक्षा को संस्कृति से जोड़ा जाएगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सरकारी स्कूलों के बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति का पाठ पढ़ाएंगे। इसके लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण कैसे किया जाए बताया जाएगा। साथ ही भारत की सांस्कृतिक विविधता की जानकारी दी जाएगी।इस तरह अब सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को भारतीय संस्कृति का ज्ञान देकर सरकार संस्कारी बनाएगी।

कठपुतली कला सीखेंगे शिक्षक शिक्षा में हस्तकला कौशल का समावेश किस तरह किया जाए यह बताया जाएगा। शिक्षा में कठपुतली कला की क्या भूमिका हो सकती है, यह भी शिक्षक सीखेंगे। इसके बाद शिक्षक स्कूलों में बच्चों को प्रशिक्षित करेंगे।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा के उद्देश्यों में शिक्षा को संस्कृति से जोड़ने के लिए स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए कार्यशाला मोड में प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे प्रदेश में आयोजित किए जाएंगे। राज्य शिक्षा केंद्र ने प्रशिक्षण की समय-सारिणी जारी कर दिया है।

इटारसी से काम की तलाश में आई युवती ने फांसी लगाकर दी जान

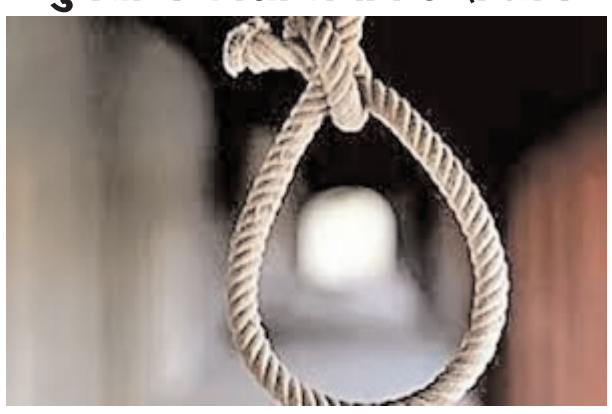

भोपाल। इटारसी से अपना घर-द्वार छोड़कर काम की तलाश में भोपाल आई एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती के परिजन को कई बार फोन लगाने पर भी जवाब नहीं मिला तो परिचितों के माध्यम से परिवार को आत्महत्या की जानकारी मिली। सूचना पर पहुंची अशोका गार्डन थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार 22 वर्षीय गीतांजलि सिंह करीब तीन साल पहले इटारसी से काम की तलाश में भोपाल आई थी। वह अशोका गार्डन के अमृत काम्प्लेक्स में किराये के कमरे में अकेली रहती थी। फिलहाल वह आशिमा माल में नौकरी कर रही थी। शनिवार सुबह गीतांजलि की बड़ी बहन ने उसे फोन किया तो कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसने भोपाल में ही रहने वाली अपनी ननद को गीतांजलि के रूम पर भेजा। जहां युवती ने फांसी के फंदे पर झूलकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। युवती के पास से कोई भी सुसाइड नोट बरामद नहीं किया गया है। रविवार को मृतक युवती के स्वजन भोपाल पहुंचे हैं। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

चौथी मंजिल की बालकनी में बैठी वृद्धा की गिरने से मौत

भोपाल। कमला नगर इलाके में स्थित परिसर की चौथी मंजिल से गिरने से एक वृद्ध महिला की मौत हो गई। महिला अपनी बेटी के घर डॉक्टर को दिखाने के लिए आई थी, तभी फ्लैट की बालकनी से महिला अपनी नियंत्रण खौ बैठी और गिर गई। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक 73 वर्षीय भूपेंद्र कौर खजूरी में रहती हैं। उनका बेटा कनाडा में रहता है, जबकि बेटी की शादी हो चुकी है, और वह सहयद्री परिसर में रहती है। कल सुबह महिला अपनी बेटी के घर पर आई थी, जहां से उन्हें डॉक्टर को दिखाना था। इसी बीच चौथी मंजिल पर स्थित फ्लैट की बालकनी से वह नीचे गिर गई थी। हादसे में घायल महिला को उनकी बेटी अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हालांकि पहले महिला के परिजन पीएम कराने के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन बाद में पुलिस की समझाइश के बाद वह पीएम कराने को राजी हुए। पुलिस का कहना है कि अभी तक की जांच में मामला हादसा लग रहा है, लेकिन पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सर्वाइकल कैंसर का पता लगाने में कारगर है वीआईए जांच

फॉग्सी इंडिया की नेशनल कांफ्रेंस में चर्चा

भोपाल। सर्वाइकल कैंसर का पता लगाने में वीआईए जांच कारगर है। एमपी में वीआईए तकनीक से जांच का दायरा बढ़ाया गया है, जिससे प्रत्येक लक्षित महिला की जांच सुनिश्चित हो सके।

मध्यप्रदेश शासन महिलाओं में होने वाले कैंसर की रोकथाम एवं उपचार हेतु निरंतर प्रयत्नशील है। इसे लेकर फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गाइनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया द्वारा नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन राजधानी भोपाल के एक होटल में किया गया। जिसके अंतर्गत 7 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इसमें मातृ मृत्यु एवं प्रीवेंटिव गायनी आंकोलॉजी, महिलाओं में होने वाले कैंसर की स्क्रीनिंग एवं उपचार विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। इस महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री एवं मंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राजेंद्र शुक्ला द्वारा किया गया था।

एमपी में वीआईए तकनीक से जांच का दायरा बढ़ाया कार्यशाला में प्रीवेंटिव गायनी आंकोलॉजी की स्टेट नोडल डॉ. रचना दुबे द्वारा सर्वाइकल कैंसर की जांच हेतु उपयोग की जाने वाली नवीनतम तकनीक विजुअल इंस्पेक्शन विद एसिटिक एसिड पर सत्र लिया गया। डॉ. दुबे ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश में वीआईए तकनीक से जांच का दायरा बढ़ाया गया है, जिससे प्रत्येक लक्षित महिला की जांच सुनिश्चित हो सके। मध्यप्रदेश शासन महिलाओं में होने वाले कैंसर की रोकथाम एवं उपचार हेतु निरंतर प्रयत्नशील है।

कैंसर की रोकथाम एवं उपचार पर हुई चर्चा कार्यशाला में देश एवं प्रदेश के विधा विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं में होने वाले कैंसर की रोकथाम एवं उपचार पर विस्तृत चर्चा की गई एवं चिकित्सकों को मार्गदर्शन दिया गया। कार्यशाला में निजी चिकित्सकों के साथ-साथ मध्यप्रदेश शासन अंतर्गत विभिन्न जिलों में कार्यरत शासकीय चिकित्सक भी सम्मिलित हुए।

धर्म परिवर्तन के लिए बच्चों की पढ़ाई और पैसों का दिया लालच

पुलिस ने तीन महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज कर लिया हिरासत में

भोपाल। भोपाल के आनंद नगर में बच्चों की अच्छी पढ़ाई और रुपये का लालच देकर धर्म परिवर्तन करवाने का मामला सामने आया है। यह तीनों महिलाओं पर पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर उनको हिरासत में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि रविवार को वे शिवनगर में लोगों ने आकर बताया कि वह घरों में जाकर उन्हें लालच देकर ईसाई धर्म में परिवर्तित करने का प्रयत्न कर रही थीं। इसी दौरान उन्होंने बजरंग दल के कार्यकर्ता धनवीर सिंह ठाकुर उर्फ उमेश ठाकुर को भी मतांतरण का प्रलोभन दिया, जिसके बाद उन्होंने पिपलानी थाने में शिकायत की, शिकायत के आधार पर पुलिस ने धार्मिक स्वतंत्रता के संरक्षण अधिनियम के साथ अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार धनवीर सिंह ठाकुर कोकता इलाके में रहते हैं। वह बजरंग दल के कार्यकर्ता हैं और आनंद नगर में पुलिस चौकी के पास ही उनकी दुकान है। रविवार की शाम को वे अपने दोस्तों से मिलने शिव नगर पहुंचे थे। यहां पर उन्होंने देखा कि कुछ महिलाएं पर्चे बांट रही हैं साथ ही लोगों से बात करने की कोशिश भी कर रही हैं। उन्होंने देखा कि वहां पर महिलाएं अपने धर्म प्रचार से संबंधित बात कर रही थीं। इसी दौरान एक महिला उनके पास आई तथा उसने धनवीर से धर्म के बारे में पूछा। धनवीर ने अपना धर्म बताया तो महिला ने एक पर्चा थमाते हुए कह दिया कि अगर आप हमारा धर्म अपना लेते हों तो हम आपको 20 लाख रुपये देंगे। साथ ही आपके बच्चों की पढ़ाई की खर्चा भी उठाया जाएगा। महिला की यह बात सुनते ही धनवीर को समझ आया कि महिलाएं लोगों के धर्म परिवर्तन के लिए प्रचार कर रही हैं। उन्होंने पिपलानी पुलिस को मामले की शिकायत कर दी। रात करीब साढ़े आठ बजे एसआइ संतोष रघुवंशी स्टाफ को लेकर वहां पर पहुंच गए। पुलिस जब मौके पर पहुंची तब भी महिलाएं पर्चे बांट रही थीं।

साम्पदकीय

ट्रंप पर हमले के बाद अनिश्चि नहीं रहे चुनाव के नतीजे !

राजनीति के इतिहास में घट चुकी घटनाएं कहती हैं कि ट्रंप की लोकप्रियता तेजी से ऊपर जा सकती है। असल में जिन नेताओं पर भी ऐसे गंभीर हमले हुए, पब्लिक उनके सपोर्ट में आ गई। इसमें वे लोग भी होते हैं, जो पहले विपक्षी पार्टी के करीब होते हैं। शूटिंग के बाद सोशल मीडिया ट्रंप की तस्वीरों से भर गया, जिसमें वे चोट के बावजूद मुट्ठी लहरा रहे हैं।

नवंबर में अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होंगे। डेमोक्रेट्स में फिलहाल उम्मीदवार के नाम पर ही उथलपुथल मची हुई है, वहीं रिपब्लिकन्स के पास डोनाल्ड ट्रंप हैं, जो धुंआधार प्रचार कर रहे हैं। ऐसी ही एक रैली के दौरान एक युवक ने उन्हें मारने की कोशिश की। गोली ट्रंप के कान को छूते हुए निकल गई। इसके बाद से माना जा रहा है कि अमेरिका में चुनाव से पहले नतीजे तय हो चुके हैं। ट्रंप को भारी संख्या में सिम्पैथी वोट मिल सकता है। वोट की यह किस्म अलग ही है, जो नेताओं को अकसर जीत दिलाती रही। कैंब्रिज डिक्शनरी के अनुसार, ये वो मौका है, जब बहुत से लोग किसी शख्स को इसलिए चुनते हैं क्योंकि कुछ ही समय पहले उस पर हमला हुआ हो या उसके साथ कोई हादसा हुआ हो। राजनीति के इतिहास में घट चुकी घटनाएं कहती हैं कि ट्रंप की लोकप्रियता तेजी से ऊपर जा सकती है। असल में जिन नेताओं पर भी ऐसे गंभीर हमले हुए, पब्लिक उनके सपोर्ट में आ गई। इसमें वे लोग भी होते हैं, जो पहले विपक्षी पार्टी के करीब होते हैं। शूटिंग के बाद सोशल मीडिया ट्रंप की तस्वीरों से भर गया, जिसमें वे चोट के बावजूद मुट्ठी लहरा रहे हैं। ट्रंप के सपोर्ट में बोलने वाले आम लोग ही नहीं, काफी बड़े नाम भी हैं। अमेरिकी खरबपति बिल अकमैन से लेकर एलन मस्क तक ने सीधे-सीधे ट्रंप का पक्ष लिया। अंदाजा लगाया जा रहा है कि चुनाव के नतीजे अब उतने अनिश्चित नहीं रहे। हत्या या हत्या के प्रयास के बाद संबंधित नेताओं या उनकी पार्टी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। पूर्व पाकिस्तानी पीएम इमरान खान पर एक रैली के दौरान फायरिंग हुई थी। साल 2022 में हुई फायरिंग में पीएम घायल हुए, वहीं एक शख्स की मौत हो गई थी। आरोपी ने हमले की बड़ी अजीबोगरीब वजह बताई थी। उसने कहा था कि इमरान खान और उनकी पार्टी के दूसरे नेता अजान के समय शोर कर रहे थे जो उससे देखा नहीं गया। वहीं खान की पार्टी ने दावा किया था कि हमला अकेले शख्स ने नहीं किया, बल्कि ये विपक्षियों की साजिश थी। वजह जो भी रही, लेकिन रैली में घायल इमरान को उसके बाद जनता का भरपूर सपोर्ट मिला। लोग उन्हें ऐसे नेता की तरह देखने लगे जो देश को नई उम्मीद दे सकता है। बेनजीर भुट्टो की हत्या के बाद यही मामला दिखा। भारी सुरक्षा के बीच चुनावी रैलियां करते हुए उनके पति आसिफ अली जरदारी पत्नी का हवाला देते हुए देश की हिफाजत की बात करते। नतीजा यह हुआ कि साल 2008 में वे पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने। नब्बे के दशक में खुद कैबिनेट मिनिस्टर रह चुके जरदारी पर करप्शन के आरोप थे, लेकिन सहानुभूति की लहर ने उन्हें भरपूर वोट दिलाया। पूर्व ब्राजीलियन राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो पर साल 2018 में एक इवेंट के दौरान चाकू से हमला किया गया। इससे बोल्सोनारो की इमेज काफी बदली और वे वोटरों में लोकप्रिय हो गए, यहां तक कि साल 2019 के चुनाव में उन्हें जीत मिली। भारत की बात करें तो कांग्रेस को साल 1984 में सबसे बड़ी जीत मिली। इंदिरा की हत्या के बाद हुए आम चुनाव में देश ने 514 में से 404 सीटें कांग्रेस को दी थीं। लगभग छह साल बाद साल 1991 में एक चुनावी रैली के दौरान पीएम राजीव गांधी की हत्या कर दी गई। इसके तुरंत बाद जीत के लिए संघर्ष कर रही कांग्रेस एक बार फिर सत्ता में आ गई। हालांकि इस बार उसे बहुमत नहीं मिल सका था। अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के दो ही महीनों के भीतर रोनॉल्ड रीगन पर जानलेवा हमला हुआ था। इसके बाद उनकी लोकप्रियता और बढ़ी। माना जाता है कि यह हमले के बाद पैदा हुई वही सिम्पैथी थी, जिसकी वजह से उनकी कई विवादित नीतियों पर भी वैसा बवाल नहीं हुआ। इसके बाद साल 1984 में हुए इलेक्शन में भी रीगल की जीत कथित तौर पर इसी लहर के चलते हुई। ऐसा नहीं है कि सिम्पैथी की लहर हमेशा चलती है। कुछ अपवाद भी हैं। साल 1912 में भूतपूर्व राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट पर चुनावी कैंपेन के दौरान गोलीबारी हुई। गोली निशाने पर लगी, लेकिन रूजवेल्ट की जेब में मेटल का चश्मा और भाषण की मोटी कॉपी रखी थी, जिससे उसका असर उतना नहीं हुआ। रूजवेल्ट जख्मी होकर भी भाषण देने की जिद पर अड़े रहे। इसके बाद उनकी लोकप्रियता का ग्राफ एकदम से ऊपर चला गया, लेकिन तब भी वे चुनाव हार गए। रिपब्लिकन लीडर गेराल्ड रुडोल्फ फोर्ड राष्ट्रपति पद के लिए दूसरी बार खड़े होने की तैयारी में थे, जब उन्हें मारने की कोशिश हुई। सालभर बाद ही हुए इलेक्शन में वे डेमोक्रेटिक नेता जिमी कार्टर से हार गए।

नाटो को बदलना होगाः यूरोपीय लोग अपनी रक्षा के लिए आगे आ रहे हैं, अमेरिका को राह का रोड़ा नहीं बनना चाहिए

अमेरिका के 34वें राष्ट्रपति और नाटो के तहत यूरोप में मित्र देशों की अभियान सेना के पहले सर्वोच्च कमांडर जनरल ड्वाइट आइजनहावर का दृढ़ विश्वास था कि उनका मिशन यूरोपीय लोगों को अपनी सैन्य ताकत के बल पर खड़ा करना था, न कि अमेरिकी सैनिकों को ब्रुसेल्स एवं बर्लिन का स्थायी अंगरक्षक बनाना।वर्ष 1951 में उन्होंने नाटो के बारे में लिखा था, यदि दसवर्षों में राष्ट्रीय रक्षा उद्देश्यों के लिए यूरोप में तैनात सभी अमेरिकी सैनिकों को वापस नहीं भेजा गया, तो यह पूरी परियोजना विफल हो जाएगी।% लेकिन विगत नौ जुलाई को जब नाटो सहयोगी देशों के नेता उसकी 75वीं वर्षगांठ के लिए वाशिंगटन मेंसम्मिलित हुए, उस समय भी जर्मनी, इटली, ब्रिटेन और अन्य स्थानों पर लगभग 90 हजार अमेरिकी सैनिक तैनात हैं, जो पांच लाख सैनिकों वाले नाटो के सैन्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। नाटो में अमेरिका की व्यापक मौजूदगी सिर्फ सैनिकों की बड़ी संख्या के कारण नहीं है, बल्कि यूक्रेन सपोर्ट ट्रैकर डाटाबेस के मुताबिक, दुनिया भर के देशों द्वारा यूक्रेन को आवंटित 206 अरब डॉलर की सैन्य व असैन्य सहायता राशि में से 79 अरब डॉलर की सहायता अकेले अमेरिका ने दी है। कैटो इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, 1960 के बाद से मित्र देशों के सकल घरेलू उत्पाद में अमेरिका की हिस्सेदारी औसतन लगभग 36 प्रतिशत रही है, जबकि मित्र देशों के सैन्य खर्च में इसकी हिस्सेदारी 61 प्रतिशत से अधिक रही है। लेकिन, अब यह स्पष्ट है कि यूरोपीय देशों को अपनी रक्षा के लिए ज्यादा जिम्मेदारी उठानी होगी। ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं कि डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी का अलगाववादी धड़ा इस बिंदु पर अमीर यूरोपीय देशों को आड़े हाथ लेते हैं कि ये देश सामाजिक सुरक्षा पर अमेरिका से भी ज्यादा खर्च करते हैं, लेकिन इनके पास अपनी सेना के लिए पैसे नहीं हैं। बल्कि, इसलिए भी कि अमेरिकी अधिकारी अब चीन द्वारा पेश की गई चुनौतियों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं, जिसके लिए आने वाले वर्षों में अधिक संसाधनों की जरूरत होगी, खासकर चीन, रूस, उत्तर कोरिया और ईरान के बढ़ते सहयोग को देखते हुए।

तीन साल में योगी कितने बदल पाएंगे हालात?

आम चुनाव में इंडी गठबंधन के कुछ दमदार और असरदार साबित हुए मुद्दों की धार को मोदी सरकार कम करने में लगी है तो दूसरी ओर गठबंधन के कुछ मुद्दों की हवा निकालने के लिये योगी सरकार ने अपने कंधों पर जिम्मेदारी ले रखी है। योगी ने इसके लिए अभी से सरकार के पेंच कसना शुरू कर दिए हैं। संगठन स्तर पर भी काम चल रहा है। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के शुरुआती तीन-चार महीनों में संपन्न होना है। इस हिसाब से सरकार के पास तीन साल से भी कम का समय बचा है।

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उत्तरप्रदेश में काफी नुकसान उठाना पड़ा। यूपी की वजह से केंद्र में मोदी की पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बन पाई, जो बीजेपी यूपी में 80 सीटें जीतने का सपना पाले हुए थी, वह 33 सीटों पर सिमट गई। बीजेपी का ग्राफ इतनी तेजी से गिरा कि अब तो विपक्षी नेता खासकर राहुल गांधी और अखिलेश यादव तो दिल्ली में मोदी को सबक सिखाने के पश्चात तीन साल बाद 2027 में योगी को भी धूल चटाने की बात करने लगे हैं। 2027 में उत्तरप्रदेश विधानसभा के चुनाव होने हैं और तब योगी की प्रतिष्ठा दांव पर होगी। 2027 के चुनाव में जहां राहुल गांधी और अखिलेश यादव बढ़े हुए मनोबल के साथ मैदान में उतरेंगे, वहीं बीजेपी को 2024 के नतीजे कचोटते रहेंगे, जबकि भारतीय जनता पार्टी 2024 जैसे चुनावी नतीजे 2027 विधानसभा चुनाव में नहीं देखना चाहती। इसीलिये बीजेपी आलाकमान के साथ-साथ सीएम योगी आत्यिनाथ उन मुद्दों की धार कुंद करने में लग गये हैं जिसके सहारे कांग्रेस-सपा गठबंधन ने बीजेपी को आईना दिखाया था।

लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने संविधान, दलित ओबीसी आरक्षण, बेरोजगारी, महंगाई को बीजेपी के खिलाफ सबसे मजबूत चुनावी हथियार बनाया था। अबकी बार राहुल के मुंह से अडानी-अंबानी, नोटबंदी, राफेल विमान खरीद भ्रष्टाचार, चौकीदार चोर है, जैसे तमाम जुमले सुनने को नहीं मिले थे। राहुल गांधी के साथ-साथ अखिलेश यादव भी अपनी जनसभाओं में दो ही बातें दोहराते रहे, पहला मोदी को 400 सीटें मिली तो वे संविधान बदल देंगे, दूसरा दलितों और ओबीसी को मिलने वाला आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा। इसके अलावा राहुल की महिलाओं को 8500 रुपए प्रति माह देने की गांरटी ने भी बीजेपी का खेल बिगाड़ दिया। चुनाव बाद भी जिस तरह से राहुल गांधी संविधान की किताब लिए घूम रहे हैं उसकी काट के लिए अब मोदी सरकार ने इमरजेंसी के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर कांग्रेस को घेरना शुरू कर दिया है। मोदी के मंत्री से लेकर छोटे-बड़े सभी नेता लगातार बता रहे हैं कि 1975 में किस तरह से तत्कालीन इंदिरा गांधी की सरकार ने इमरजेंसी लगाकर संविधान की आत्मा को तार-तार कर दिया था। सदन में तो इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव तक पास हो गया। सबसे खास बात यह रही कि मोदी सरकार जब इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाई तो इसके खिलाफ कांग्रेस सदन में अकेले ही खड़ी नजर आई। राहुल के सबसे मजबूत साथी समझे जाने वाले सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इमरजेंसी मुद्दे पर कांग्रेस के साथ नहीं गए।

बहरहाल, आम चुनाव में इंडी गठबंधन के कुछ दमदार और असरदार साबित हुए मुद्दों की धार को मोदी सरकार कम करने में लगी है तो दूसरी ओर गठबंधन के कुछ मुद्दों की हवा निकालने के लिए योगी सरकार ने अपने कंधों पर जिम्मेदारी ले रखी है। योगी ने इसके लिये अभी से सरकार के पेंच कसना शुरू कर दिये हैं। संगठन स्तर पर भी काम चल रहा है। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के शुरुआती तीन-चार महीनों में सम्पन्न होना है। इस हिसाब से सरकार के पास तीन साल से भी कम का समय बचा है। यह तय माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से सबक लेते हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी खराब छवि वाले विधायकों का टिकट काटने में भी आलाकमान परहेज नहीं करेगा। गौरतलब है कि हाल में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में बीजेपी को उम्मीद से काफी कम सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग ने जो आकड़े जारी किये हैं उसके अनुसार यूपी में 80 लोकसभा सीटें जिसके अंतर्गत 403 विधान सभाएं आती हैं,वहां बीजेपी 162 विधान सभा क्षेत्रों में समाजवादी और कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी से पिछड़ गई थी। इन 162 विधान सभा क्षेत्र के विधायकों पर भी गाज गिर सकती है।

वहीं 2027 में विपक्ष एक बार फिर से बेरोजगारी को मुद्दा नहीं बना पाये इसके लिये योगी ने सभी खाली पड़े रिक्त पदों को भरने के लिये बम्पर नौकरियां निकाली हैं। अभी एक लाख नौकरियां निकाले जाने की बात कही जा रही है जिसका आंकड़ा 2027 के विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आने तक पांच लाख तक पहुंच सकता हे। इसी के साथ पेपर लीक की घटनाओं पर अंकुश लगाने और इसमें लिप्त अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिये भी एसटीएफ तेजी से काम कर रही है। बेरोगारी और पेपर लीक की घटनाओं के चलते युवा वर्ग केंद्र और राज्य सरकारों के खिलाफ काफी आक्रोशित है। उधर, इन युवाओं को गुस्से को विपक्ष हवा-पानी देने का काम कर रहा है। ऐसी ही एक मोदी सरकार की एक और योजना अग्निवीर भी सरकार के लिए बड़ा मुद्दा बना हुआ है। विपक्ष लगातार इसे खत्म करने की मांग कर रहा है। इस योजना का दुष्प्रभाव मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में देख भी चुकी है। कुल मिलाकर योगी सरकार बम्बर नौकरियां निकाल कर विपक्ष को उसकी बेरोजगारी वाली सियासत से बेरोजगार करना चाहती है।

बात सरकार से हटकर संगठन स्तर की करें तो लोकसभा चुनाव में यूपी से मिली चोट भाजपा को बेचैन किए हुए हैं। योगी की छवि पर भी प्रश्न चिन्ह लगा है। केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार के गठन के बाद भाजपा के जिम्मेदार अब यूपी में पार्टी के ग्राफ गिरने के कारणों की पड़ताल पर लगा है। पार्टी स्तर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल ने वोट में आई गिरावट को लेकर चर्चा की। तय किया गया है कि भाजपा के पक्ष में कम मतदान की जांच होगी। दरअसल, यूपी के चुनाव परिणाम से भाजपा के स्थानीय से लेकर शीर्ष नेतृत्व में हड़कंप मचा हुआ है। पिछले चुनाव की तुलना में इस बार करीब नौ फीसदी कम वोट मिले हैं। अब इन्हीं वोट का पता लगाने को लेकर माथापच्ची शुरू हो गई है कि आखिर यह वोट भाजपा से छिटक कर कहां गया। इसका पता करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसमें संगठन के पदाधिकारियों के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। फोर्स के सदस्य गांव-गांव जाकर यह पता लगाएंगे कि भाजपा के कोर वोटर माने जाने वाले ओबीसी और दलितों में सेंध किस दल ने लगाया है।

यह भी पता लगाया जाएगा कि गैर यादव ओबीसी और गैर जाटव दलितों को भाजपा से बिदकाने में किन-किन लोगों का हाथ है। साथ ही भितरघात करने वाले पार्टी नेताओं का भी पता किया जाएगा। केंद्र में भले ही लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बन गई है लेकिन पार्टी के लिए सबसे मजबूत सियासी जमीन यूपी में खिसकने की टीस सभी नेताओं को हो रही है। इसलिए अब पार्टी ने नुकसान पहुंचाने वालों के साथ उन मतदाताओं के बारे में भी पता लगाने का फैसला किया गया है कि जो इस बार भाजपा के बजाए विपक्ष की तरफ खिसक गए हैं। यूपी में बीजेपी का ग्राफ गिरने की पूरी समीक्षा के बाद यूपी बीजेपी में संगठन स्तर पर भी कई बदलाव हो सकते हैं। यूपी बीजेपी को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल सकता है और यह दलित अथवा पिछड़ा समाज को हो तो कोई आश्चर्य नहीं है। वैसे कयास यह भी लगाये जा रहे हैं कि योगी सरकार में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य एक बार फिर संगठन में आना चाह रहे हैं। मौर्य के यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष रहते 2014 में पार्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था।

भाजपा इस बात को लेकर बेहद चिंतित है कि वर्ष 2017 में रिकॉर्ड 312 विधानसभा सीटों और 2022 के विधान सभा चुनाव में भी भगवा परचम लहराकर बहुमत की सरकार बनाने वाली भाजपा अबकी लोकसभा चुनाव में 162 सीटों पर ही कैसे पिछड़ गई। वहीं 2017 में कांग्रेस से हाथ मिलाने पर भी 47 सीटों पर सिमटकर सत्ता गंवाने वाली सपा इस चुनाव में सर्वाधिक 183 सीटों पर आगे रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में सिर्फ दो विधायक वाली पार्टी बनी कांग्रेस, लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन कर 40 विधानसभा सीटों पर अव्वल आई। वैसे सच्चाई यह भी है कि 2017 के विधानसभा चुनाव के बाद से यूपी में एनडीए का ग्राफ लगातार गिर रहा था, लेकिन इस ओर किसी ने विशेष ध्यान नहीं दिया। एनडीए के सहयोगी अपना दल (एस) व सुभासपा संग सरकार बनाने वाली भाजपा को पहला झटका 2019 के लोकसभा चुनाव में लगा। तब सपा-बसपा-रालोद के मिलने पर भाजपा के सांसद जहां 71 से घटकर 62 रह गए। वहीं पार्टी 274 विधानसभा सीटों पर ही बढ़त बना सकी थी। 2019 में सपा के पांच सांसद जीते और पार्टी 44 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी, जबकि 10 सांसद वाली बसपा 66 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। सिर्फ रायबरेली लोकसभा सीट जीतने वाली कांग्रेस मात्र नौ सीटों पर ही औरों से आगे निकली थी। इसी तरह 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा यूपी में फिर सरकार बनाने में तो कामयाब रही, लेकिन उसकी सीटों और घट गई। भाजपा इस चुनाव में सिर्फ 255 सीटें ही हासिल कर सकी थी। रालोद व सुभासपा को साथ लेने से भी सपा पांच वर्ष बाद सरकार में वापसी तो नहीं कर सकी, लेकिन उसकी सीटें जरूर 47 से 111 हो गईं। सपा से हाथ मिलाने पर रालोद के आठ व सुभासपा के छह विधायक भी जीते। इसी तरह भाजपा के साथ रहने पर अपना दल (एस) के 12 विधान सभा उम्मीदवार जीते। अकेले चुनाव लड़ी कांग्रेस दो और बसपा एक ही सीट जीत सकी थी। यहां तक तो भगवा दल के लिए किसी तरह के बड़े सियासी खतरे के संकेत नहीं थे, लेकिन इस लोकसभा चुनाव के आए नतीजे हर लिहाज से सत्ताधारी भाजपा के लिए खतरे की घंटी साबित हुए।

नीतिः बैंक अपनी भूमिका निभा रहे हैं... नया बजट अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक लेकर जाए, यही चाहते हैं देशवासी

नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद देशवासियों की विकास के मोर्चे पर और भी बेहतरी आने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। पिछले दो कार्यकाल में उनकी सरकार ने स्वास्थ्य, शिक्षा, आधारभूत संरचना, ऊर्जा, सेवा आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए। सबसे कारगर कदम आर्थिक और बैंकिंग क्षेत्र में उठाए गए। 2014 से 2023 के दौरान भारत आर्थिक रूप से विश्व में मजबूत देश बनकर उभरा है। उम्मीद है कि भारत 2027 में पचास खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था, 2030 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 में एक विकसित देश बन सकता है। 1947 से 2007?तक?भारत की जीडीपी?10 खरब डॉलर की हुई और 2014 में बढ़कर 20 खरब डॉलर की हो गई और 2019 में 30 खरब डॉलर की। 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई थी, जबकि 2019 में यानी सिर्फ पांच वर्षों के अंदर यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई।

वित्त वर्ष 2023-24 की मार्च तिमाही में 7.8 फीसदी की दर से जीडीपी में वृद्धि हुई। समग्र रूप से 2023-24 में विकास दर 8.2 फीसदी?रही।?'द इंडियन इकनॉमी = ए रिव्यू' रिपोर्ट के अनुसार, 2024-25

में लगातार चौथे साल भारत की जीडीपी वृद्धि दर सात प्रतिशत से अधिक रह सकती है, जबकि अभी दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर करीब तीन फीसदी?है। 2023 में भारत में बेरोजगारी दर 8.7 प्रतिशत रही थी।?चूंकि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है, इसलिए 2027 तक बेरोजगारी दर के आठ प्रतिशत से कम रहने का अनुमान है। भारत में मुद्रास्फीति दर 2023 में 5.5 प्रतिशत रही है, जबकि 2022 में यह 6.7 प्रतिशत रही थी। मई 2024 में खुदरा महंगाई दर 4.75 प्रतिशत रही। वहीं, 2024 से 2027 के दौरान इसके क्रमशः 4.6, 4.1, 4.1 और 4.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इस आधार पर कहा जा सकता है, भारतीय अर्थव्यवस्था आसानी से 2027 तक 50 खरब डॉलर की बन सकती है।

'द इंडियन इकनॉमी = ए रिव्यू' रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार के आर्थिक सुधारों की वजह से ही भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकी है। भारत की जीडीपी 2030 तक सात प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसऐंडपी ग्लोबल ने भी भारत के वित्तीय क्षेत्र में आई मजबूती की पुष्टि की है। एसएंडपी ग्लोबल ने अपनी ग्लोबल क्रेडिट आउटलुक 2024 की रिपोर्ट 'न्यू रिस्क, न्यू प्लेबुक' में कहा कि भारत की नॉमिनल जीडीपी 2022 में 35 खरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक 73 खरब डॉलर हो जाएगी। हाल के महीनों में भारतीय बैंकों का प्रदर्शन एशिया में अपने समकक्ष बैंकों की तुलना में सबसे अच्छा रहा है। देश के तीन बड़े बैंकों, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक ने 2023 में दुनिया के शीर्ष 50 बैंकों की सूची में अपनी जगह बनाई है। एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में बैंकों की संपत्ति 50.50 प्रतिशत बढ़कर 1.51 लाख करोड़ डॉलर हो गई है। एसऐंडपी ग्लोबल के मुताबिक, हाल के महीनों में भारतीय बैंकों द्वारा दिए जा रहे कर्ज में तेज वृद्धि हुई है। 29 दिसंबर, 2023 तक यह 15.6 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई थी, जो एक साल पहले 14.9 प्रतिशत थी। 31 मार्च, 2024 को सरकारी बैंकों का संचयी लाभ 1.4 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर गया, जोकि पिछले साल की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक है। 2023-24 में सभी बैंकों का शुद्ध फंसा कर्ज (एनपीए) भी घटकर 1.70 प्रतिशत के स्तर से भी नीचे आ गया।

विकसित देश बनने के कुछ मानक हैं। इस क्रम में भारत में औद्योगीकरण, शिक्षा, आधारभूत संरचना, यंत्रीकरण, डिजिटलाइजेशन, स्वास्थ्य आदि के क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। वित्त मंत्रालय का कामकाज फिर से निर्मला सीतारमण के हाथों में है। इसलिए, सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक की नीतियां और उठाए जाने वाले कदम आगामी समय में भी भारतीय अर्थव्यवस्था और भारतीय बैंकों के अनुकूल रहेंगे। लिहाजा, देशवासी चाहते हैं कि नया बजट अर्थव्यवस्था और बैंकिंग क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक लेकर जाए।

गुना में वन विभाग बीनागंज टीम ने की कार्यवाही

दो लाख रूपये कीमत की 17 नग सागौन के जब्त किए

रणधीर चंदेल। सिटी चीफ गुना, गुना वन विभाग बीनागंज ने वनपरिक्षेत्र अधिकारी सौरभ द्विवेदी के निर्देशन में कार्यवाही करते हुए एक महिन्द्रा मैक्सिमो वाहन से दो लाख रूपये कीमत की 17 नग सागौन के जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। जैसे ही रेंजर सौरभ द्विवेदी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक महेन्द्र मैक्सिमो वाहन से लटेरी से सागौन का अवैध परिवहन कर ब्यावरा होते हुए मनोहरथाना ले जाया जा रहा है। तत्काल रेंजर सौरभ द्विवेदी द्वारा एक्शन लेते हुए एक सिविल गाड़ी में सिविल ड्रेस में और कुछ स्टॉफ को ड्रेस में गाड़ी के पीछे लगा दिया और दूसरे रास्ते से रेंज स्टॉफ ने आगे निकलकर वाहन को रोकने का प्रयास किया। वाहन चालक द्वारा वाहन को तेज र तार से दौड़ा दिया और आगे जाकर एक टूव्हीलर चालक को भी टक्कर मार दी। जब ड्राइवर ने देखा कि अब बचने का कोई रास्ता नहीं है वह वाहन छोड़कर भाग निकला। वन विभाग के कर्मचारियों ने वाहन को जब्त कर लिया। इस वाहन में सागौन की 17 नग लकड़ियां थीं जिन्हें जब्त कर लिया गया। वहीं वाहन से एक मोबाईल भी जब्त किया गया। रेंजर श्री द्विवेदी ने बताया कि प्रकरण दर्ज कर वाहन को राजसात करने की कार्यवाही की जा रही है और वाहन से एक मोबाईल भी बरामद हुआ है।

कटनी जिले में मुस्लिम समुदाय ने मनाया मातमी पर्व

मोहर्रम के आठवें दिन अली गोल का जुलूस

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की शहादत के मातमी पर्व मोहर्रम के आठवें दिन को अली गोल का कटनी जिले में जुलूस निकाला गया। यह जुलूस कटनी के मिशन चौक से शुरू होकर जिले के मुख्य मार्गो से होते हुए सुभाष चौक पहुंचा। इस अवसर पर जगह जगह लंगर का आयोजन किया एवं शरबत का वितरण किया गया। जुलूस दिलावर चौक से नगर निगम रोड, सुभाष चौक पहुंचा। जुलूस में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों की उपस्थिति रही। कल मोहर्रम की 9 तारीख 16 जुलाई शहादत की रात है। रात 1 बजे से रात्रि 1.30 बजे के बीच समस्त ताजिये, सवारी व अखाड़े ढोल दिलावर चौक में एकत्रित होकर रजा चौक मौला चौक से नगर निगम के सामने से होता हुआ कमानिया गेट जायेगा, वहां सवारिया सुभाष वार्ड के मोहल्ले में जायेगी, वहां मघई मंदिर से होते हुये कमानिया गेट पहुंचेगा। खिरहनी फाटक का ताजिया भी कमानिया गेट पहुंचेगा। लगभग दो घण्टे मजमा स्व. गुलाम भाई की दुकान के सामने रूकेगा। इसके बाद सुभाष चौक व थाने से होता हुआ दिलावर चौक आयेगा और वहीं पर जुलूस का समापन होगा। देर रात तक कमानिया गेट पर ताजिया सवारी एकत्रित होंगी व सुबह 4.30 बजे तक जुलूस वापिस होगा।

कटनी नगर पालिक निगम में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 40 जोड़ों का विवाह संपन्न

वैवाहिक समारोह में महापौर प्रीति संजीव सूरी ने नवयुगल को दी शुभकामनाएं और भेंट

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, मुख्यमंत्री कन्यादान निकाय योजना अंतर्गत कटनी नगर पालिक निगम परिसर में निगम महापौर प्रीति संजीव सूरी निगम अध्यक्ष मनीष पाठक भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक सोनी टंडन की गरिमामयी उपस्थिति में 40 जोडो का पूरे हिंदू रीति रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न कराया गया। गायत्री शक्तिपीठ के पंडितों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ नवयुगल दम्पत्ति को वैवाहिक रस्में अदा करायी गयी जयमाला के अग्नि देव को साक्षी मानकर सातफेरों के साथ वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना अंतर्गत वैवाहिक कार्यक्रम में नगर पालिक निगम महापौर प्रीति संजीव सूरी निगम अध्यक्ष मनीष पाठक भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक सोनी टंडन डीडी बैनर्जी सुनील उपाध्याय सहित निगम पार्षद गण एवं अधिकारी कर्मचारियों ने नवयुगल दम्पत्ति को शुभाशीष दिया।वैवाहिक कार्यक्रम में महापौर प्रीति संजीव सूरी एवं निगम अध्यक्ष मनीष पाठक ने दूल्हा दुल्हन को शासन द्वारा प्रदत्त 49 हजार की राशि का सांकेतिक चैक सहित महापौर ने निजी तौर पर गिफ्ट पैक और एक तुलसी का पौधा भेंटकर आशीर्वाद दिया।

महाकाल को धन्यवाद देने पहुंचे मंत्री कैलाश विजयवर्गीय

पेड़ लगाने के विश्व कीर्तिमान पर भगवान महाकाल को किया साष्टांग प्रणाम

उज्जैन, महाकाल मंदिर में भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने परिवार के साथ गर्भगृह में जाकर पूजन अर्चन किया। इस दौरान विजयवर्गीय ने नंदी हाल में साष्टांग नमन भी किया भगवान महाकाल को। रविवार को इंदौर ने एक साथ समय से पहले 12 लाख पेड़ लगाने का विश्व कीर्तिमान रचने के बाद सोमवार दोपहर को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भगवान महाकाल को धन्यवाद अर्पित करने पहुंचे। उन्होंने धोती सोले में सपत्नीक भगवान के गर्भगृह से दर्शन किए फिर नंदी हाल में बैठकर महाकाल का जाप भी किया। इस दौरान विजयवर्गीय ने नंदी के कान में अपनी मुराद भी कही। मीडिया से बात करते हुए विजवर्गीय ने कहा कि कल हमने गिनीज बुक में इंदौर का नाम दर्ज किया है, असम में 9 लाख पौधे लगाए गए थे हमारा लक्ष्य 11 लाख था लेकिन हमने उससे ज्यादा 12 लाख पौधे लगाए है और इसी कीर्तिमान को रचने पर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेने आया हु। अमरवाड़ा की जीत पर भी मंत्री विजयवर्गीय ने कहा की अब तक कांग्रेस के पास थी सीट बीजेपी ने अच्छा काम कर वहां भी जीत हासिल की है।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी ने मध्यप्रदेश में पौने दो लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जताया आभार

श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी : उद्योगपतियों के विश्वास और भरोसे का प्रतीक है हजारों करोड़ के निवेश प्रस्ताव

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी ने मध्यप्रदेश में करीब पौने दो लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव लाने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार जताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश की भाजपा की मोहन सरकार मध्यप्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने के लिए कृतसंकल्पित है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। श्री सोलंकी ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में मध्यप्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति विश्वास जताते हुए ऐतिहासिक विजय दिलाई है। जिस प्रकार से देश की जनता का भरोसा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और भाजपा सरकार पर है। उसी तरह से उद्योगपतियों का भरोसा भी भाजपा की डबल इंजन सरकार पर है।

मध्यप्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएं –भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व सांसद श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की सरकार उद्योग स्थापित करने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। 1 व 2 मार्च 2024 को उज्जैन में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में करीब एक लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, वहीं 13 एवं 14 जुलाई को मुंबई में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में करीब 75 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उद्योग स्थापित करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार के पास हजारों एकड़ का लैंड बैंक है। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से करीब दो लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को जबलपुर में होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में एक हजार से अधिक उद्योगपति शामिल होंगे और हजारों करोड़ के निवेश आएंगे। श्री सोलंकी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने बना रहे हैं। इन निवेश प्रस्तावों से प्रदेश भर में निवेश होगा और समूचे मध्यप्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। रोजगार के अवसर बढ़ने से प्रदेश तरक्की करेगा और लोगों की जिंदगी में खुशहाली आएगी।

एसएससी आरक्षक परीक्षा में सफल बच्चे सरपंच के हस्ते हुए सम्मानित

एक पेड़ मां के नाम - वृक्षारोपण के साथ प्रतिभा सम्मान भी

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान 'एक पेड़ मां के नाम' को ग्राम पंचायत औलियाकन्हार की ओर से उत्तम प्रतिसाद मिला। आषाढ़ शुक्ल पक्ष की 9वीं तिथि यानी सोमवार को ग्राम पंचायत औलियाकन्हार के निर्देशन में औलियाकन्हार फिजिकल क्लब में 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वृक्षारोपण के पूर्व कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित आरक्षक की प्रारंभिक परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का सम्मान सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन के हस्ते किया गया। वृक्षारोपण में आम, जामुन, पीपल, कटहल, नींबू, बादाम, आंवला एवं अशोक सहित लगभग एक दर्जन प्रजाति के साढ़े तीन सौं पौधों से अधिक का रोपण ग्रामवासियों एवं श्रेष्ठ अकादमी लालबर्रा के विद्यार्थियों के हस्ते किया गया। इस मौके पर औलियाकन्हार फिजिकल क्लब के चेयरमैन ओमप्रकाश बिसेन एवं सेक्रेटरी जगन्नाथ धानेश्वर सहित क्लब के प्रशिक्षणार्थी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए औलियाकन्हार फिजिकल क्लब के चेयरमैन ओमप्रकाश बिसेन ने कहा कि हमारे जीवन का एक-एक क्षण दुर्लभ है इसलिए पेड़ को एक मां का रुप देकर हम सब यहां पर एक मां के जीवन की तुलना एक पेड़ से करेंगे। हम यह प्रण करें कि जब तक हम जीवित है तब तक सीएनजी गार्डन में लगाए गए इस पेड़ की रक्षा करेंगे ताकि आप जब-जब भी यहां पर आएं तो आपको हमें गर्व हो कि जिस मां के नाम से हमने इस पेड़ को लगाया वह बड़ा होकर संसार में प्राणवायु ऑक्सीजन दे रहा है और फल-फूल प्रदान कर रहा है।

कार्यक्रम में ग्राम सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन, सचिव सन्तलाल पन्द्रे, श्रीमती निशा ब्रम्हे रोजगार सहायक, शीतलप्रसाद हरिद्वाज, श्रीमती पुष्पा चौहान, सरला यादव, संदीप गुनेश्वर पंच, झामसिंह राणा, नीलकंठ नागेश्वर, महेन्द्र चौहान, तपेश रंगारे, सुभाष गुनेश्वर, भूमेश्वर कटरे, उम्मेद चावले, उमाप्रसाद नागेश्वर एवं अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

पांच सफल अभ्यर्थियों का हुआ सम्मान – कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित कांस्टेबल जीडी प्रारंभिक परीक्षा में सफल रेशमा बनवाले गर्रा (लालबर्रा), अलका रहांगडाले गर्रा (वारासिवनी) रितिक कटरे कामथी (वारासिवनी), अनुज टेम्भरे औलियाकन्हार एवं मासूम टेम्भरे पाथरसाही को ग्राम सरपंच ने श्रीफल एवं नगद पांच-पांच सौ रुपए की राशि देकर सम्मानित किया और उनके फिजिकल एफिसियेन्सी टेस्ट के लिए शुभकामनाएं दी। उपरोक्त सभी सफल अभ्यर्थी औलियाकन्हार फिजिकल क्लब के नियमित सदस्य है। औलियाकन्हार फिजिकल क्लब की गवर्निंग बाडी ने भी इन सफल प्रत्याशियों को बधाई देते हुए आगामी परीक्षा हेतु शुभकामनाएं दी।

जबरजस्ती शारीरिक संबंध गलत काम (दुष्कर्म) किया है व जान से मारने की दी थी धमकी

दुष्कर्म एवं बाइक चोर आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ शहडोल, पीड़िता थाना उपस्थित होकर एक लिखित आवेदन पत्र पेश की कि आरोपी आकिब खांन पिता कासिम खांन उम्र 34 साल निवासी आलमगंज अमलाई थाना अमलाई के व्दारा पीड़िता के साथ जबरजस्ती शारीरिक संबंध गलत काम (दुष्कर्म) किया है व जान से मारने की धमकी दिया है जो पीडिता की रिपोर्ट पर आरोपी आकिब खांन के विरूद्ध अपराध क्र. 226/2024 धारा 376, 376(2), 506 ताहि. का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पतासाजी के दौरान विवेचना टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये आरोपी आकिब खांन पिता कासिम खांन उम्र 34 साल निवासी आलमगंज अमलाई थाना अमलाई को गिरफ्तार किया गया और न्यायालय पेश किया गया है। धनपुरी पुलिस ने चोरी के आरोपी को 12 घंटे के अन्दर किया गिरफ्तार चोरी गई मोटर सायकल बरामद फरियादी राजेन्द्र सिंह पिता स्व. माधव सिंह उम्र 32 साल निवासी धनपुरी नं. 04 का थाना धनपुरी में रिपोर्ट किया कि, दिनांक 12.07.2024 को रात्रि करीबन 10.30 बजे उसकी होण्डा साइन मोटर सायकल क्रमांक MP 65 MP 9248 झिल्ली दफाई धनपुरी से किसी व्यक्ति के द्वारा चोरी कर ली गई है। जिस पर थाना धनपुरी में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दौरान विवेचना तत्काल पुलिस टीम गठित कर अज्ञात आरोपी की पता तलाश की गई। दौरान तलाश के आज दिनांक को आरोपी साईराज सोनी पिता राजकुमार सोनी उम्र 27 साल निवासी वार्ड नं. 15 मीट मार्केट धनपुरी के कब्जे से होण्डा साइन मोटर सायकल क्रमांक MP 65 9248 कीमती 70,000 रूपये की जप्त की गई व आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उक्त कार्यवाही एस.डी.ओ.पी धनपुरी अभिनव मिश्रा के नेतृत्व में की गई है जिसमें थाना प्रभारी धनपुरी निरीक्षक खेमसिंह पेन्द्रो के साथ सउनि0 राजेन्द्र शुक्ला, आर0 अजय सिंह एवं सतवंत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है

बड़े पिता के खेत में बने मीनाक्षी तालाब में भतीजे की डूबने से मौत

सिंचाई के लिए पाईप लगा रहा था युवक

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, थाना क्षेत्र अंतर्गत साल्हे पंचायत के खैरगोंदी में शासन की योजना के तहत बनाए गए मीनाक्षी तालाब में युवक 28 वर्षीय इमानसिंह पिता छतरसिंह गोडगे की डूबने से मौत हो गई। घटना 15 जुलाई की दोपहर लगभग 2.30 से 03 बजे की है, जिसका शव शाम को एसडीईआरएफ और होमगार्ड के बचाव दल ने तालाब से कड़ी मशक्कत के बाद ढूंढकर निकाला गया। घटनाक्रम के अनुसार युवक, अपने बड़े पिताजी ज्ञानसिंह गोड़गे के खेत में काम कर रहा था। जिनके खेत में शासन की योजना से बने मीनाक्षी तालाब के पानी से सिंचाई के लिए तालाब के किनारे पाईप लगा रहा था। इसी दौरान वह असंतुलित होकर तालाब में गिर गया। जिसके तालाब में गिरने की आवाज सुनकर परिजन और आसपास खेत में काम कर रहे लोग दौड़े, लेकिन तब तक वह तालाब के गहरे पानी में डूब गया था। जिसके बाद इसकी सूचना लालबर्रा थाना को दी गई। जिसके बाद लालबर्रा थाना से पहुंचे सहायक उपनिरीक्षक विजय बिसेन हमराह स्टॉफ के साथ घटनास्थल पहुंचे।

जिसके बाद युवक के शव को निकालने हेतु एसडीईआरएफ की टीम को बुलाया गया। सूचना मिलने पर पहुंचे एसडीईआरएफ की टीम के जवान जोंदरुलाल राहंगडाले, योगेश बनवाले, लेखराम राहंगडाले, ओरीलाल ऐड़े, शेरसिंग खंडाते ने युवक के शव को बाहर निकालकर पुलिस के सुपुर्द किया। जिसके बाद पुलिस ने शव बरामद कर उसे पीएम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा भिजवाया गया। जिसके शव का 16 जुलाई को पीएम कराया जाएगा।

इनका कहना हैं।– हमारी पंचायत अंतर्गत खैरगोंदी ग्राम हैं जहां ज्ञानसिंह गोडगे जी के खेत मे बने मीनाक्षी तालाब मे उन्ही के भतीजे ईमानसिंह गोडगे कृषि कार्य करते हुए उनका पैर फिसल गया और वे गहरे पानी मे डूब गए जिससे उनकी मृत्यु हो गई। मुझे 2.30 बजें गुमानसिंह के द्वारा सुचना दी गई मै तत्काल ही मौका स्थल पहुंचा और पुलिस टीम के साथ एसडीआरएफ भी पहुंचे और मृतक के शव को बाहर निकाला गया जिसे पोस्टमार्टम हेतु अस्पताल ले जाया जा रहा हैं।

जुगल भैरम – ग्राम पंचायत साल्हे ला. सरपंच प्रति.

कटनी के एनकेजे थाना क्षेत्र में चौकीदार की संदिग्ध मौत से हड़कंप

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज शुरू करी जांच

सुनील यादव। सिटी चीफ कटनी, कटनी के एनकेजे थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली वन विभाग की सरसवाही नर्सरी में काम करने वाले चौकीदार की अर्धनग्न अवस्था में लाश पाई गई। मृत अवस्था में पाए गए चौकीदार के शरीर पर चोट के निशान भी मौजूद हैं।घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई। आनन फानन में घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों और परिजनों ने चौकीदार की हत्या कर पंप हाउस में लाश फेंके जाने की आशंका जताई है। जानकारी मिलते हो मौके पर एन के जे थाना प्रभारी अपने स्टाप के साथ मौके पर पहुंच गए और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

घटना की जानकारी देते हुए एन के जे थाना प्रभारी नीरज दुबे ने बताया की एनकेजे थाना अंतर्गत ग्राम सरसवाही निवासी लगभग 45 वर्षीय अजय त्रिपाठी वन विभाग की सरसवाही नर्सरी में चौकीदारी का काम करता था। वह रात में नर्सरी में चौकीदारी कर रहा था। आज सुबह उसका शव नर्सरी के पंप हाउस में पाया गया। अजय का शव अर्धनग्न अवस्था में मिला है और उसके शरीर पर मिले निशान परिजनों के कहे अनुसार पुराने है। इस पूरे मामले की जान की जा रही और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जायेगा। वही स्थानीय लोगों और परिजनों ने आशंका व्यक्त कि है की अजय की हत्या की गई।

अनूपपुर में ट्रक की चपेट में आने से बालक की मौत

गुस्साए ग्रामीणों ने 12 घंटे तक किया चक्का जाम, मंत्री के आश्वासन के बाद खुला चक्काजाम

यशपाल सिंह जाट सिटी चीफ।

अनूपपुर, जिले के भालूमाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पयारी क्रमांक 2 भाद तिराहा में ट्रक की चपेट में आने से 8 वर्षीय बालक अनुराग प्रजापति पिता माखनलाल प्रजापति निवासी दारसागर की मृत्यु से गुस्सायें ग्रामीणों ने वाहन में तोडफ़ोड़ करते हुए सडक़ मे शव रखकर चक्काजाम कर कॉलरी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आक्रोश व्यक्त किया गया। मौके पर पहुंचे कॉलरी प्रबंधन वा प्रशासन के अधिकारियों से मृतक के परिजनों को मुआवजा वा नौकरी दिए जाने की मांग की गई। जहां कॉलरी प्रबंधन ने 1 लाख नगद एवं एसईसीएल के निजी सेक्टर में नौकरी दिए जाने की बात कही गई। लेकिन परिजन 5 लाख नगद एवं एसईसीएल में नौकरी की मांग पर अड़े रहे। के आश्वासन के बाद परिजनों ने माना यह था मामला-14 जुलाई रविवार की सुबह 6 बजे माखनलाल प्रजापति अपने 8 वर्षीय पुत्र को लेकर बाइक से ग्राम दारसागर जा रहा था, जहां रास्ते में निमहा रोड़ स्थित भाद तिराहे के पास कोयला लोड ट्रक क्रमांक सीजी 12 एस 6073 की चपेट में आने से 8 वर्षीय बालक की मौत हो गई। जहां गंभीर रूप से घायल हुए अनुराग प्रजापति को उपचार हेतु जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। ट्रैलर वाहन एसईसीएल आमाडांड ओपन कास्ट खदान से कोयला लोड़ कर गोविंद सायडिंग साइडिंग ले जा रहा था। 12 घन्टे लगा रहा चक्का जाम- सडक़ दुर्घटना में 8 वर्षीय मासूम की मौत पर आक्रोशित ग्रामीणों एवं परिजनों ने शव रखकर चक्काजाम करते हुए मुआवजा की मांग की गई। सूचना मिलते ही एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार, कालरी के जीएम, डिप्टी जीएम, सब एरिया सहित अनुभाग के सभी थाना प्रभारी व भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया था। लेकिन मृतक के परिजनों ने 5 लाख नगद एवं एसईसीएल में नौकरी की मांग को लेकर अड़े रहे। जिसके कारण सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक निमहा मुख्य मार्ग में चक्काजाम लगा रहा। मंत्री के आश्वासन के बाद खुला जाम - ग्रामीणों एवं परिजनों द्वारा मुआवजे और नौकरी की मांग को लेकर किए गए चक्काजाम मंत्री दिलीप जायसवाल की समझाईश वा आश्वासन के बाद खोला गया। जहां कॉलरी प्रबंधन द्वारा मृतक के पिता को 1 लाख नगद एवं दो दिन बाद 1 लाख चेक के माध्यम से देने एवं कॉलरी के प्राइवेट सेक्टर में नौकरी देने का आश्वासन दिया गया। मंत्री के आश्वासन के बाद परिजनों ने उक्त मांगो को माना है। इसके साथ ही वाहन चालक को 8 घंटे वाहन चलाने, बिना परिचालक के कोई भी वाहन का परिचालन नही किए जाने, कोयला एवं राखड़ के ओव्हर लोड़ वाहनों पर कार्यवाही के निर्देश दिए है। इसके साथ ही कॉलरी प्रबंधन को रोड़ का चौड़ीकरण और आमडांड से गोविंदा तक स्ट्रेटी लाईन के साथ सडक़ो पर ब्रेकर बनावाने के निर्देश दिए गए।

सचिव की लापरवाही से ग्राम पंचायत केल्हौरी मे नल जल योजना हुई फेल

पंचायत में ग्रामीण पीने के पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर

यशपाल- सिंह जाट। सिटी चीफ।

अनुपपुर, अनूपपुर सरकार की हर घर नल से जल देने की योजना जिले में दम तोड़ती नजर आ रही है। बता दे कि जैतहरी जनपद के अंतर्गत केल्हौरी में खर्च करने के बाद भी पंचायत के ग्रामीण क्षेत्रों में जलसंकट की स्थिति बनी हुई है। गांव-गांव नल जल योजना के तहत पानी टंकी बनाकर पाइप लाइन के माध्यम से पानी पहुंचाने की योजना का लाभ ग्रामीणों को समुचित तरीके से नहीं मिल रहा है। हालात यह हैं कि लाखों रुपए की लागत से बनाए गए प्रोजेक्ट महीने भर में फेल हो गया हैं। कहीं मोटर खराब तो कहीं प्रोजेक्ट तैयार करने में बरती गई लापरवाही के कारण पानी की सप्लाई नहीं हो रही है नल से जल निकलने का कर रहे इंतजार- नल जल योजना का कार्य पूर्ण हो जाने के बाद भी महीने भर से पानी का संकट गहरा चुका है। कारण मई-जून के महीने में जल संकट गहरा गया है। वहीं पंचायत भी गर्मी में जलसंकट से निपटने के लिए किसी प्रकार की कार्ययोजन तैयार नहीं की और न ही नल-जल योजना से जल आपूर्ति के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके कारण महीने भर से केल्हौरी ग्राम पंचायत में पानी टंकी से जल आपूर्ति के लिए समस्या बनी हुई है। ग्राम पंचायत की उदासीनता से बंद पड़े प्रोजेक्ट- लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा नल जल योजना पूर्ण कर पंचायत को हैंड ओवर किया गया लेकिन केल्हौरी पंचायत में नल जन योजना दम तोड़ रही है। पंचायत सचिव की बड़ी लापरवाही सामने आई है। पानी की सप्लाई की मॉनीटरिंग विभाग के द्वारा ग्राम पंचायत द्वारा किया जाता है पंचायत द्वारा क्षमता से कम मोटर पंप डालकर कार्यपूर्ण दिखा देते हैं, दो ओवरहेड टैंक का निर्माण एक बूंद पानी नही- जनपद पंचायत जैतहरी के अंतर्गत ग्राम पंचायत में पंप हउस का निर्माण भी कराया गया पाइपलाइन बिछाई गई इसके बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्राम पंचायत को पूरी योजना हैंड ओवर कर दी गई और पंचायत द्वारा ग्राम वासियों से पानी का टैक्स भी प्रतिमाह लिया जा रहा है लेकिन बीते एक माह से पानी का एक बूंद भी ग्रामीणों को नसीब नहीं हो पा रहा है। हालांकि खबर प्रकासन के बाद क्या हरकत में आते हैं या नही, ठेकेदार व अधिकारी ग्रामीणों को कब मिलेगा पीने का शुद्ध पानी ये आने वाला समय ही बताएगा

बिन पानी सब सून जिले के ग्राम पंचायत केल्हौरी मे नल जल योजना हुई फेल बरसात के मौसम में भी आमजन केल्हौरी ग्राम पंचायत के ग्रामीण एक बूंद पानी को तरस रहे हैं यहां के मुखिया मलाई छान रहे हैं

शहडोल के भठिगंवा कला में गिरी आकाशीय बिजली

गाज गिरने से अधेड सहित बकरी की मौत

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ।

शहडोल । जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के ग्राम भठिगंवा कला में शुक्रवार की शाम एक पेड में अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। जिस कारण बकरी सहित अधेड की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम भठिगंवा कला निवासी गोपी सिंह पिता महा सिंह 40 वर्ष शुक्रवार की शाम को गांव के एक खेत में बकरी चरा रहा था उसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। परिणाम स्वरूप घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

मवेशी चरा रही महिला पर बाघ ने किया हमला

मौके पर पहुंचे अधिकारी, ग्रामीणों को जंगल ना जाने की दी सलाह

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ

शहडोल, जिले में जंगली जानवरों का आना-जाना आम हो गया है ,मवेशी चराने गई एक महिला पर बाघ ने हमला कर दिया है। घटना शनिवार की दोपहर हुई है, जिले की सीमा बांधवगढ़ एवं संजय गांधी टाइगर रिजर्व से लगी हुई है। जिसकी वजह से आए दिन यहां जंगली जानवरों का आना बना रहता है। शनिवार की दोपहर खन्नौधी के मलमाथर गांव के जंगल में मवेशी चरा रही एक महिला पर बाघ ने हमला कर दिया ,जिससे महिला गंभीर घायल हुई है। महिला के सर में गंभीर चोट पहुंची है। जानकारी के अनुसार नान बाई मवेशियों को लेकर गांव के जंगल में गई थीं तभी दोपहर वहां बाघ ने महिला पर हमला कर दिया। बाघ ने जब महिला पर हमला किया तो कुछ दूर पर और लोग भी मौजूद थे, हल्ला गोहार सुन आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और महिला को बचाने की कोशिश की, जब तक बाघ ने महिला पर पंजे से हमला कर वहां से आगे चला गया। ग्रामीण घटनास्थल पहुंचे और घायल अवस्था में महिला को अस्पताल पहुंचाया है। मामले की जानकारी वन विभाग के अधिकारियों को जैसे ही लगी मौके पर अधिकारी पहुंचे और ग्रामीणों को जंगल ना जाने की सलाह दी जा रही है।

प्रतिक्रिया

महिला पर बाघ ने हमला किया है। घायल महिला को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शासकीय मदद के लिए कागजात तैयार किए जा रहे हैं। आसपास के ग्रामीणों को जंगल ना जाने की सलाह वन विभाग के द्वारा दी गई है।

भाग्य शाली सिंह रेंजर
वन परिक्षेत्र खन्नौधी, जयसिंहनगर

14 वर्षी किशोरी के साथ ममेरे भाई ने किया दुष्कर्म

7 महीने गर्भवती होने पर हुआ खुलासा

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ ।

अनूपपुर, अनूपपुर जिले के कोतमा थाना अंतर्गत रिश्तो को शर्मसार करने के साथ हैरत भरी घटना सामने आई है जहां 14 वर्षीय किशोरी को उसी के ममेरे भाई द्वारा जबरन दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देकर गर्भवती कर दिया। दुष्कर्म के बाद डरी सहमी पीड़िता द्वारा किसी प्रकार की जानकारी अपने माता-पिता को नहीं बता पाई

धीरे-धीरे घटना के 7 माह के बाद अचानक किशोरी के पेट में दर्द होने एवं शरीर में परिवर्तन होने पर परिजनों द्वारा किशोरी को डॉक्टर के पास ले जाने पर किशोरी के पेट में 7 माह के गर्भ की जानकारी लगी। जिसके बाद माता-पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई और बेटी से पूछताछ करने पर पूरी घटना का पता चला। मामले की शिकायत थाना कोतमा में किए जाने पर पुलिस ने आरोपी गोलू के खिलाफ धारा 376,376 (1), 376(3), 376(2) एफ आईपीसी एवं 3/4,5 एन 6 पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच कर रही है। किशोरी को उपचार एवं जान की रक्षा हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है

नष्ट करने की जगह तर्कों से हो रही खाना पूर्ति

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ।

शहडोल, मेडिकल वेस्ट न सिर्फ पर्यावरण बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक है। संभाग के मेडिकल कॉलेज का फर्ज है कि लोगों की जान को बचाया जाए नाकि कोई ऐसा काम किया जाए, जिससे कि लोगों की जान को खतरा पैदा हो। लेकिन पांच सौ बिस्तर वाले मेडिकल कॉलेज में अपने मर्ज का इलाज कराने आए मरीज उल्टा बीमारियां साथ लेकर जा रहे हैं, क्योंकि मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा उपयोग किए जाने वाला मेडिकल कचरा खुले में फेंका जा रहा है, जिससे अस्पताल में आने वाले मरीजों व अटेंडरों की सेहत को भी खतरा है। प्रबंधन का आरोप है कि बायो मेडिकल कचरा उठाने के लिए जिस एजेंसी को अनुबंधित किया गया है। वह अनुबंध के अनुसार कार्य नहीं कर रही, जिस वजह से कचरा खुले में पड़ा है लेकिन हकीकत में जिम्मेदारों के किये हुए कारनामें कुछ और दिखाई दे रही है।

यहां खुले में फैला कचरा बिरसा मुंडा शासकीय मेडिकल कॉलेज में बनाये गए जैव चिकित्सा अपशिष्ट संधारण कक्ष के बाहर अस्पताल प्रबंधन के द्वारा नियम व कानून की धज्जियां उड़ाते हुए बायोमेडिकल वेस्ट को खुले में भारी मात्रा में फेंका जा रहा है। वेस्ट में इंजेक्शन व पूरी सीरिंजों, यूज्ड बैंडेज, पैथोलॉजी वेस्ट, मास्क, ग्लब्स के साथ-साथ दवाएं भी हैं जोकि संक्रमण फैलने का कारण बन सकता है।

मुख्यमंत्री साख पर लगा रहे बट्टा मेडिकल कालेज अस्पताल प्रबंधन एवं मेसर्स एमपी बीएमडब्ल्यू डिस्पोजल सिस्टम फर्म के जिम्मेदारों के द्वारा मुख्यमंत्री मोहन यादव की साख पर बट्टा लगा रहे है। जहां एक ओर पूरा देश और प्रदेश पर्यावरण को संरक्षित करने हेतु पौधरोपण कर रहा है तो वहीं अस्पताल प्रबंधन एवं मेडिकल कचरा उठाने वाली एजेंसी एक पेड़ मां के नाम अभियान, पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत विपरीत कार्य कर रही है जो कि खुले में पड़े मेडिकल अपशिष्ट को उठवाने के बजाय एक दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहें है। जिससे खुले में पड़े मेडिकल अपशिष्ट से पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है।

समय मे नहीं आती गाड़ियां मेडिकल कॉलेज में बायोवेस्ट उठाने के लिए एमपी बीएमडब्ल्यू डिस्पोजल सिस्टम फर्म को अपशिष्ट उठाने की जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन फर्म के जिम्मेदारों के द्वारा अपनी मर्जी की तर्ज पर कचरे का उठाव किया जा रहा है। जिससे समय पर गाड़ियां न आने से कचरा खुले में पड़ा हुआ है। जिससे मेडिकल कॉलेज में आए हुए मरीज एवं उनके अटेंडर सहित डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ पर संक्रमण का ख़तरा बना हुआ है।

अपशिष्ट उठाने के नाम पर हो रही खाना पूर्ति आए दिन सुर्खियों में रहने वाला मेडिकल कॉलेज इनदिनों मरीजों के स्वास्थ्य का ख्याल रखने सहित अपशिष्ट उठाने के नाम पर फिर सुर्खियों में है। क्योंकि जहां पर जैव चिकित्सा अपशिष्ट संधारण कक्ष का निर्माण कराया गया है और कचरा खुले में फेंका जा रहा है। वहां से महज कुछ ही दूरी पर रसोई स्थित है लेकिन जिमेदार और कचरा उठाव करने वाली फर्म सिर्फ कचरा उठाने के नाम पर खाना पूर्ति कर रही है।

फैल सकता है संक्रमण चिकित्सक स्वंय मानते है कि अस्पताल में निकलने वाली पट्टियां, खराब खून, सीरिंज, इंजेक्शन तथा अन्य सामग्री लोगों के लिए हानिकारक साबित हो सकती है। खुले में डाली गई बायोवेस्ट का समय पर निस्तारण नहीं किए जाने पर इसमें से दुर्गंध आने लगती है तथा इसके संक्रमण से बीमारियां फैलने की संभावना बढ़ जाती है। इसके साथ ही मेडिकल कालेज परिसर में बने आवसीय परिसर में रहने वाले लोग बड़ी संख्या में सुबह और शाम सैर करने के लिए यहां टहलने आते है। खुले में पड़ा बायोवेस्ट उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। जानकरों की माने तो हानिकारक बायोवेस्ट सामग्री के कारण कभी भी किसी को हानि पहुंच सकती है।

तर्कों में उलझा प्रबंधन बायोवेस्ट का समय पर निस्तारण न करने पर मेडिकल कालेज अस्पताल प्रबंधन सिर्फ तर्कों पर उलझ कर रह गया है। जानकरों की माने तो इनदिनों जिम्मेदार सिर्फ अपशिष्ट उठाने नहीं अन्य मामलों पर सिर्फ तर्कों तक ही सीमित है। एक तरफ जहां खुले में पड़ा बायोमेडिकल वेस्ट संक्रमण को न्यौता देता नजर आ रहा है। वहीं इसे नष्ट करने वाले जिम्मेदार एमपी बीएमडब्ल्यू डिस्पोजल सिस्टम फर्म के द्वारा महज तर्क देकर इस मामले पर पल्ला झाड़ते नजर आ रहा है।

मेडिकल वेस्ट के नियम भारत में बायोमेडिकल वेस्ट के प्रबंधन के लिए जो नियम हैं, उन्हें बायो मेडिकल वेस्ट (मैनेजमेंट एंड हैंडलिंग) इन द कंट्री (बायोमेडिकल वेस्ट-मैनेजमेंट एंड हैंडलिंग) रूल्स कहा जाता है। नियमों को पहली बार 1998 में लागू किया गया था और 2003 में संशोधित किया गया था। ये नियम लोगों को स्वास्थ्य समस्याओं और बायोमेडिकल कचरे के कारण होने वाले पर्यावरणीय नुकसान से बचाने में मदद करते हैं।इस कानून में बायोमेडिकल कचरे को अन्य प्रकार के कचरों के साथ मिलाना प्रतिबंधित है और उसे 48 घंटों के अन्दर ही शोधन हेतु भेजा जाएगा। कचरों के शोधन के लिए भस्मीकरण संयंत्रों, ऑटोक्लैव एवं माइक्रोवेव प्रणालियों जैसी बायोमेडिकल कचरा शोधन सुविधाएं स्थापित करता।

नहीं मिलता पॉलीथिन बैग मेडिकल कॉलेज अस्पताल प्रबंधन की माने तो एमपी बीएमडब्ल्यू डिस्पोजल सिस्टम फर्म के द्वारा उनको पॉलीथिन बैग उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। जिसकी वजह से बायोमेडिकल वेस्ट को उनके द्वारा किसी तरह से मैनेज किया जा रहा है। लेकिन जबतक उनको पॉलीथिन बैग उपलब्ध नहीं कराया जाएगा तो थोड़ा समस्याएं तो होगी। सूत्रों की माने तो अनुबंधित एंजेसी के द्वारा तीन सौ बेड की जगह पांच सौ बेड के हिसाब से अनुबंध पर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन पर दबाव बनाया जा रहा है। जिसकी वजह से यह समस्याए भी उत्पन्न हो रही है।

प्रतिक्रिया

मैं 48 घंटे के भीतर बायोमेडिकल वेस्ट को उठाने के लिए गाड़ियां भेजता हूँ लेकिन जो कचरा बाहर पड़ा है उसकी जिम्मेदारी मेरी नहीं है। कचरा खुले में पड़ा है उसके जिम्मेदार मेडिकल कॉलेज प्रबंधन है।

पलास जैन
संचालक, एमपी बीएमडब्ल्यू डिस्पोजल सिस्टम फर्म

हमको अनुबंधित एजेन्सी के द्वारा पॉलिथीन बैग उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है और हमारे नोडल आफिसर के द्वारा अनुबंधित एजेन्सी के संचालक को कॉल किया जाता है तो वह फ़ोन नहीं उठाता है।

डॉ नागेंद्र सिंह
अधीक्षक, बिरसा मुंडा शासकीय मेडिकल कॉलेज

पीएम श्री एक्सीलेंस तुलसी कॉलेज शुभारंभ मे उमड़ी भीड़

डिपार्टमेंट ऑफ़ कॉमर्स ने छात्रों को दी धमकी

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ।

अनूपपुर, जिला मुख्यालय स्थित शासकीय तुलसी महाविद्यालय को पीएम श्री एक्सीलेंस कॉलेज में उन्नयन को लेकर भीड़ जुटाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में डिपार्मेंट आफ कामर्स ने अपने छात्र-छात्राओं को झूठी धमकी देकर कॉलेज प्रांगण में मंत्री को दिखाने के लिए भीड़ एकत्रित की। जबकि कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य ने कई निर्वाचित जनप्रतिनिधियों सहित पत्रकारों की कार्यक्रम में जमकर उपेक्षा की।प्रभारी प्राचार्य के नेतृत्व में डिपार्मेंट आफ कामर्स ने छात्र-छात्राओं को मोबाइल पर मैसेज भेज कर धमकी दी जिसका मजनून इस प्रकार है-एक बार पुन- आप सभी को सूचित किया जाता है कि चाहे बारिश हो या कोई अन्य कारण हो सभी परिस्थिति में आपको रविवार को 11 बजे अपने प्रोजेक्ट के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित होना है।अन्यथा की स्थिति में आप प्रोजेक्ट में अनुपस्थिति हो जायेगे।जिसकी समस्त जिम्मेदारी आप की स्वयं की होगी।डिपार्मेंट आफ कॉमर्स और छात्र-छात्राओं को 11 बजे से जब तक मंत्री के आने के बाद कार्यक्रम का समापन नहीं हुआ जब तक उनको बैठ कर रखा गया और उनका कोई भी प्रोजेक्ट चेक नहीं किया गया।केवल झूठी धमकी देकर छात्र-छात्राओं को भूखे मंत्री के कार्यक्रम तक बैठा कर रखा गया।जिसकी सर्वत्र निंदा हो रही है और ऐसे प्राचार्य को तत्काल कॉलेज से हटाने की मांग छात्र-छात्राओं के साथ उनके अभिभावकों ने की है। ज्ञातव्य हो की पीएम श्री एक्सीलेंस कॉलेज का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा इंदौर के अटल बिहारी वाजपेई कला वाणिज्य महाविद्यालय से किया गया था।

वर्चुअल शुभारंभ कार्यक्रम को देखने एवं सुनने के लिए पीएम श्री शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी।लेकिन आयोजित कार्यक्रम में नगर के तमाम निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ पत्रकारों की जमकर उपेक्षा की गई जिसकी सर्वत्र निंदा की जा रही है।

भूमाफिया के रहनुमा तो कामता पयासी, नहीं लिखी एफआईआर

कोतवाली से महज 200 मीटर में पत्रकार पर भूमाफिया ने तानी राइफल

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।

शहडोल मध्यप्रदेश का वो जिला है जहाँ पटवारी और एएसआई की हत्या के बावजूद माफिया शहडोल में राज कार रहा है माफिया की दबंगई और उसका एक से बढ़कर एक कारनामा शहडोल की मीडिया की खबरों में वायरल है लेकिन प्रशासन का मानना है शहडोल में शांति है, लेकिन शहडोल में माफिया का बढ़ा कद किसी की भी हत्या करने देने की वारदात को मामूली समझता है इधर जानकारी के बावजूद जिम्मेदार अफसर हाँथ में हाँथ धरे बैठे हुए है

शहडोल। एक बार फिर राजएक्सप्रेस की खबर का असर हुआ है इस बार एक लम्बे समय से जमीन की दलाली करने वाले और अवैध तरीके से कृषि भूमि का बिना डायवर्सन ही सपनों का घर खरीदने वाले लोगो की गाढ़ी कमाई लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ है दरअसल हालही में जिला कलेक्टर तष्ठण भटनागर ने अवैध कालोनी विकसित कर करोडो रूपए का सर्कार को चुना लगाने वालो की कमरतोड़ आदेश क्या जारी किया ` खोजी खबरों के लिए प्रख्यात राजएक्सप्रेस टीम पर घात लगाए बैठे भूमाफिया अभिषेक मिश्रा, शुभम श्रीवास्तव सहित 3 - 4 लोगो ने लाल रंग की महिंद्रा कम्पनी की थार से रास्ता रोका राइफल निकल हत्या करने की कोशिश की येपि समय पर राजएक्सप्रेस टीम की कार वहा से निकलने में सफल ना होती तो एक बार फिर माफिया का तांडव शहडोल की धरती में देखने को मिलतो इस मामले में आश्चर्य जनक बात यह है की इतनी बड़ी वारदात को अंजाम भूमफिया ने कोतवाली से महज 200 मीटर में अंजाम दिया` इस घटनाक्रम में बालबाल बची टीम राजएक्सप्रेस ने तत्काल कोतवाली पहुंच कर राइफल लेकर घूम रही लाल रंग की महिंद्रा थार की करंट लोकेशन इत्यादि बताकर माफिया से राइफल जब्त करते हुए दंडात्मक कार्यवाही किये जाने की मांग की मिली जानकारी के मुताबिक़ इस घटनाक्रम में पुरानी बस्ती के बीट प्रभारी पयासी जो लम्बे समय अवैध कारोबारियों के चहेते है घटनाक्रम के बाद भूमाफिया को राइफल समेत गिरफ्तार करने की जगह भागने घटना में प्रयुक्त हथियार छुपाने का पूरा समय दिया` इससे साबित होता है कि जब जिला मुख्यालय में कानून माफिया के इशारे पर चलता है तो दूरस्थ अंचलो के क्या हालत होंगें` अब तो साबित यह भी होता है पटवारी प्रसन्ना सिंह बघेल और एएसआई महेंद्र बागरी के हत्यारो के ऐसे ही हौसले नहीं बुलंद हुए` ऐसे ही वर्दी धारी इनका कवच बनते रहेंगे तो हो सकता है जनता और प्रशासन के बीच संवाद स्थापित करने वाला खबरदार करने वाला पत्रकार भूमाफिया की बुलेट का निशाना बन जायेगा और पुलिस सिर्फ हाथ पर हाँथ रखे रहेगी` या यह भी हो सकता है माफिया के खिलाफ लिखने वाले पत्रकारों कि हत्या कराने की साजिश में तथाकथित वर्दीधारी भी शामिल हैं

जानिए पूरी घटनाक्रम

दरअसल अभिषेक मिश्रा उफ़ निट्टू पिता नारायण मिश्रा निवासी पुरानी बस्ती ने सपनो का घर बनाकर देने के नाम पर जमीने बेच दी और ताज्जुब की बात यह है जमीनों को बेचने के बाद इस जमीन के अवैध कारोबारी की महिलाओ ने शिकायत कर दी` लेकिन शहडोल के जिला प्रशासन को खरीद रखने का दम्भ भरता अभिषेक मिश्रा पर हर कोई हाँथ डालने से डरता था, हालही में राजएक्सप्रेस में प्रकाशित खबरों को संज्ञान लेने वाले संवेदनशील कलेक्टर तष्ठण भटनागर ने शासकीय राजस्व में चूना लगाने वाले फर्जी कालोनाइजर, अवैध कारोबारियों पर नकेल कसने एक दर्जन से अधिक खसरा नंबर की भूमि खरीद बिक्री पर रोक लगा दी है जिससे अब बदस्तूर पंजीयक की आँखों में धूल झोंककर कालोनी काटी जाने वाला सिलसिला थम गया` इससे बौखलाए भूमफिया का सरगना अब भूमाफिया के की करतूत को उजागर करने वाले राजएक्सप्रेस टीम को निशाना बनाने की फ़िराक़ में 12 जुलाई 2024 शुकवार रात लगभग 11 बजे महिंद्रा की लाल रंग की थार जिसका नंबर 4828 है कोतवाली से महज 200 मीटर की दूरी में पत्रकारों की बीच सड़क कार रोकी नहीं ष्ठकने पर आगे से मोड़कर दोबारा आमने सामने लगा कर थार में बैठे शुभम श्रीवास्तव को राइफल देकर मरने का इशारा किया` खतरे को भांपते हुए टीम राजएक्सप्रेस ने कोतवाली किसी कदर कार मोड़कर निकाली, ताकि मामले में रंगे हाँथ भूमाफिया की राइफल सहित पकड़ा जा सके` लेकिन कोतवाली पुलिस की हीलाहवाली लापरवाही या जान बूझ कर भूमाफिया को राइफल सहित निकलने में भरपूर योगदान दिया जो देश भक्ति जनसेवा से परे जाकर विपरीत

दिशा में काम किया गया समझ से परे है`

इन खातों पर कलेक्टर ने लगाई रोक

कलेक्टर तष्ठण भटनागर ने आदेश जारी कर कहा है कि अवैध कालोनियों की जांच हेतु गठित जांच दल एवं संबंधित राजस्व निरीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर प्रथम दृष्ट्या मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा 339-क से 339-छ तथा मध्यप्रदेश नगरपालिका (कालौनी विकास) नियम, 2021 के भाग-3 नियम-22 का स्पष्ट रूप से उल्लंघन पाये जाने से अवैध कालोनी निर्मित करने वाले संबंधित व्यक्ति को नोटिस जारी करते हुये जवाब चाहा गया है कि उनके उक्त कृत्य के लिये भूमि को शासन के अधिकार में लेते हुये मध्यप्रदेश नगरपालिका (कालोनी विकास) नियम, 2021 एवं नवीन संशोधन दिनांक 25.05.2023 के नियम 23 एवं 24 एवं नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा 339-ग में विहित प्रावधानों के तहत दण्डात्मक कार्यवाही क्यों न की जाये` नगरपालिका क्षेत्रांतर्गत ग्राम मतनी के खसरा क्र. 2/10/1/1/1/1/1/1 ग्राम सोहागपुर के खसरा क्र. 24/1/1/1/2/1/1/1 ग्राम भुईबांध 281/1/1/1/1/1/1, ख.क्र. 106/5/1 एवं 107/1/1, 365/1/1, ग्राम शहडोल 79/25/1/1/1/1/1/1/1/1/1, ग्राम शहडोल के ख.क्र. 495/5/1/1/1/1/1/1/1, 277/1/1/////// 54/1/1/1/1, 35/1/1, 30, 37/1/1, 14/2/1/2/1, 16/1/2/11/1, 528/3/1/2/1/1/1/1/1/1, 534/6. 536/6/1/1/1/1/1/1, 283/1/1/1/1/1, 528/3/1/1/1/1/1/1, 538/3/1/1/4/1/1/1, 537/3/1/1, 537/5/1/1. 281/2/1/1/1 ग्राम नरसरहा के खसरा क्र. 27/1/1/1/1/1, 66/1/1/1/1/1, 60/1/1/1/////// 11/1/1/1/1/1/1/1, 77/1/1/1/1, 72/2/1/1/1/1/1/1/1, 52/2/2/1/1/1/1/1/1/1, 52/2/2/1/2, 52/2/2/2/1/1/1/1/1/1 बनी अवैध कालोनी का निर्माण किया गया है। भूमि में अवैधानिक तरीके से कालोनी का निर्माण होने से मध्यप्रदेश नगरपालिका (कालोनी विकास) नियम, 2021 एवं नवीन संशोधन दिनांक 25.05.2023 के नियम-23 एवं 24 एवं नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा 339-ग के तहत कार्यवाही / दण्डात्मक कार्यवाही किये जाने का प्रावधान है, जिसके परिपेक्ष्य में संबंधितों को नोटिस जारी कर जवाब चाहा गया है। साथ ही प्रकरण के अंतिम निराकरण अथवा आगामी आदेश पर्यत प्रभावित भूमियों के समस्त बटांकनों के क्रय-विक्रय को प्रतिबंधित किया गया है तथा जिला पंजीयक को निर्देश जारी किये गये है।

सात माह में भूमाफिया ने दोबारा किया हमला

दरअसल जनवरी माह की शुरूवात रात शहडोल की पॉश इलाके में रहने वाले तथ्यात्मक आधार पर खबरे करने वाले पत्रकार को घर वापस लौटने पर पहले से ही घात लगाकर बैठे हुए 14 -15 हथियार बंद लोगो ने कार का पीछा करते हुए कालोनी में घुसकर स्टील रॉड से वार किए कार का कांच तोडा हत्या करने की पूरी कोशिश की बामुश्किल जान बची यह घटना कालोनी में लगे सारे कैमरे में कैद होगई, जिसकी देर रात शिकायत हुए उसमे भूमाफिया का उल्लेख किए गया हमलावर सीसीटीवी में कैद हुए स्कूटी, बुलेट, अपाचे इत्यादी की जानकारी इकठ्टा की गई जिसमे अभिषेक मिश्रा का नाम पूरा हाँथ खुलकर सामने आया। गाड़ी नॅम्बर सहित अजित यादव, संजय उफ़ बेटू चौबे, अमन यादव, रोशन यादव वगैरह चिन्हित हो रहे थे, बावजूद सात माह से पुलिसिया जाँच और मनोविज्ञानिक तरीको वाली जाँच भूमाफिया का बाल भी बांका नहीं कार सकी, संभवतः भूमफिया का नेटवर्क शहडोल जिले में हावी है` जिसके चलने ही आदतन अपराधी पहले से ही 307 सहित कई मामले में पंजीकृत आरोपी को पुलिस प्रशासन की शह मिली है यह समझ से परे है` या कहा जाए भले ही सूबे के मुख्यमंत्री की सरकार प्रदेश में हो हुकूमत इस भूमफिया की शहडोल में चलेगी क्योकि शहडोल का प्रशासन तो माफिया के आगे दम हिलता हुआ नजर आरहा है` तभी तो सात माह में माफिया ने पत्रकार पर हमला किया है`

जनप्रतिनिधि प्रतिक्रिया गंभीर विषय है एक पत्रकार को कोई मारना चाहता है ईश्वर की कृपा है दो बार माफिया का प्रयास असफल हुआ है लेकिन पुलिस की कान में जू नहीं रेंग रही है मैं और मेरा आदिवासी समाज सभी ईमानदार पत्रकार के साथ है प्रशासन से मांग करता हूँ हत्या का प्रयास करने वाले नामजद भूमाफिया का एवं उसके तमाम सहयोगियों के आधार कार्ड के जरिये एक्टिव सिम नंबर, ईएमआई नंबर से कॉल डिटेल, सीडीआर और बैंक खाता खंगाले एक बड़े नेटवर्क का खुलासा होगा` पत्रकार समाज का दर्पण है उसके सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी और प्रशासन की है`

पुष्ठ षोत्तम मरावी, जिला अध्यक्ष
गोंडवाना गणतंत्र पार्टी शहडोल

प्रशासनिक प्रतिक्रिया मामले में शिकायत पर जाँच चल रही है। (सात माह पहले की जाँच का कोई जवाब नहीं मिला)

राघवेंद्र तिवारी, थाना प्रभारी
थाना कोतवाली, शहडोल

अगर तीन दिन के अंदर सम्बंधित भूमाफिया के खिलाफ कार्यवाही नहीं होगी तो मुख्यमंत्री को स्थानीय प्रशासन और भूमाफिया की संलिप्तता और माफिया का बढ़ा कद अब पत्रकार की हत्या कराने की साजिश कार रहा है` मामले में शहडोल जिले में हुई शिकायत पर कार्यवाही रोकने वाले अफसर को हटाए जाने का अल्टीमेटम देंगे जष्ठरत पड़ी तो बल्लभ भवन, पीएचक्यू के सामने धरना करना पड़े तो करेंगे`

राजेंद्र सिंह जालौंद, राष्ट्रीय अध्यक्ष
खोजी पत्रकार संघ

इधर बजता रहा सायरन, उधर चारो ओर खोजबीन करती रही पुलिस

ब्यौहारी थाना क्षेत्र के ग्राम टिहकी स्थित मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक का मामला

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।

शहडोल, जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टिहकी स्थित मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक का सायरन बीते देर रात्रि करीब साढ़े 12 बजे अचानक बजना शुरू हो गया। जिसकी आवाज आसपास रहने वाले ग्रामीणों के कानो तक पहुंची तो उन्हें लगा कि बैंक मे कोई बड़ी अनहोनी हो गई है। इसके बाद ग्रामीणों द्वारा इसकी जानकारी स्थानीय थाना पुलिस को दी गई। कुछ ही देर मे वहाँ पुलिस पहुंच गई। रात के अँधेरे मे पुलिस कर्मियों ने सबसे पहले तो बैंक के मुख्य द्वार का ताला चेक किया तो वह बंद मिला। इसके बाद बैंक परिसर के चारो तरफ

बारीकी के साथ जांच पड़ताल की गई लेकिन पुलिस को कोई ऐसा सुराग नही मिला जिससे यह आशंका हो कि बैंक के अंदर कोई अनहोनी हुई है। या किसी ने अंदर प्रवेश किया है। इस बीच पुलिस द्वारा बैंक प्रबंधन को भी इससे अवगत कराते हुए वहाँ आने की बात कही। लेकिन घंटो बाद भी वहाँ कोई बैंक कर्मचारी नही पहुँचा। जबकि सायरन लगातार बज ही रहा था। ज़ब पुलिस इस बात से संतुष्ट हो गई कि सायरन,बैंक के अंदर कोई अनहोनी के कारण नही बल्कि तकनीकी खराबी के कारण बज रहा है, तो फिर पुलिस वहाँ से लौट गई। अब सवाल यह उठ रहा है कि भले ही तकनीकी दिक्कत के कारण सायरन बज उठा लेकिन बैंक प्रबंधन को सूचना देने के बाद भी वहाँ किसी जिम्मेदार का नही पहुंचना घोर लापरवाही को उजागर कर रहा है। इस संबंध मे जब सहायक बैंक प्रबंधक सौरभ शुक्ला से बात की गई तो उन्होंने कोई सकारात्मक उत्तर नही दिया।

डीपीएस मे हुई एसएमसी की बैठक, सदस्यों ने भी दिए सुझाव

आपके सहयोग से ही सम्भव है बच्चों का सर्वांगीण विकास : रीना

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।

शहडोल, वजीर एजुकेशन सोसायटी द्वारा कोयलांचल नगरी धनपुरी मे संचालित धनपुरी पब्लिक स्कूल (डीपीएस) मे शनिवार को एसएमसी (शाला प्रबंधन समिति) की द्वितीय मासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय की प्रचार्य रीना चक्रवर्ती ने विस्तृत रूप से विद्यालय के संचालन के उद्देश्यों के बारे एसएमसी के सदस्यों को बताया। उन्होंने कहा कि बच्चो का सर्वांगीण विकास अभिभावक व शिक्षक के संयुक्त प्रयास से ही संभव हो सकता है। आप लोग नियमित रूप से बच्चों को विद्यालय भेजे। अति आवश्यकता पड़ने पर ही स्कूल से अवकाश लें अन्यथा नही। लेकिन इससे पूर्व संस्थान मे लिखित रूप से सूचना अवश्य दें। प्रचार्य श्रीमती चक्रवर्ती ने कहा कि हमारी यह संस्था भविष्य मे शिक्षा के क्षेत्र मे एक नया कीर्तिमान रचेगी, ऐसा मुझे विश्वास है। संस्थान के संचालन प्रमुख अनीक अहमद ने सदस्यो को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी संस्था बच्चों को बेहतर से बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए निरन्तर प्रयास किए जा रहें हैं। शिक्षकों को ट्रेनिंग देने के साथ ही आधुनिक तरीके से शिक्षा के लिए प्रोजेक्टर समेत अन्य संशाधन बच्चों को उपलब्ध कराए

जा रहें है। अन्य गतिविधियों के साथ -साथ श्री अहमद ने विद्यालय के आय -व्यय के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। साथ ही हर्ष के साथ यह भी बताया कि इस विद्यालय के लिए बड़े परिसर को क्रय करने का प्रयास जारी है। शीघ्र ही वह भी विद्यालय के पास होगा और भविष्य मे हमारा विद्यालय वृहद परिसर मे संचालित हो सकेगा । इसके पूर्व अलग अलग कक्षाओ के शिक्षिकाओ द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से जानकारी उपस्थित सदस्यों से साझा की गई। विद्यालय परिवार के इस प्रयास की एसएमसी सदस्यो ने प्रशंसा करते हुए विद्यालय के उत्थान मे यथा संभव सहयोग करने की बात कही। इस अवसर पर विद्यालय की प्रचार्य रीना चक्रवर्ती को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ती पत्र भी भेंट किया गय। अंत मे यूरोप मे कार्यरत वजीर एजुकेशन फ़ाउंडेशन के प्रमुख मोहम्मद आरिफ ने भी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित जनों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि भले ही हमारी संस्था द्वारा मुफ्त मे शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है,और किसी का आर्थिक सहयोग इसमें न हो लेकिन इस विद्यालय मे आपकी सहभागिता हमारे सामान ही है। जितना यह विद्यालय हमारा है उतना ही आपका भी इस पर अधिकार है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी संस्था शिक्षा के क्षेत्र मे और उच्च पायदान तक पहुंचें, इसके लिए आप लोग साथ दीजिये तथा अपने सुझाव भी हमारे साथ साझा करें। अंत मे संस्थान के संचालन प्रमुख अनीक अहमद ने उपस्थित सदस्यो के प्रति आभार प्रकट किया। एसएमसी बैठक मे विद्यालय की शिक्षिका रिया तिवारी,ऐमन खान, शहनाज़, नीतू यादव, शायदा नजमी, आरजू, रजनी विश्वकर्मा तथा वैशाली दाहिया समेत शाला प्रबंधन समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

सी.एम. हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज पर एक्शन

खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग द्वारा पटेरा ब्लॉक के ग्राम कुम्हारी स्थित राधिका होटल का किया गया औचक निरीक्षण

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने पटेरा ब्लॉक के ग्राम कुम्हारी में निरीक्षण कार्यवाही करते हुए रसगुल्ला एवं समोसा के नमूनें जांच हेतु लिए। कार्यवाही में पटेरा ब्लॉक के ग्राम कुम्हारी में कटनी रोड स्थित राधिका होटल का औचक निरीक्षण किया गया। होटल से खाद्य सामग्री में मिलावट करके ग्राहकों को विक्रय करने की सी.एम. हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज हुई थी। मौके पर रसगुल्ला एवं समोसा के नमूने जांच हेतु लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर इस संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। उक्त होटल में फूड लाइसेंस मौके पर पाया गया। मैजिक बॉक्स की सहायता से खोवा, लड्डू, हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर की गुणवत्ता की ऑन द स्पॉट जांच की गई।

वर वधु विवाह सूत्र में बंध रहे हैं जीवन सुखी और दीर्घायु हो- पूर्व मंत्री एवं विधायक जयंत मलैया

1 बौद्ध, 16 निकाह सहित 617 जोड़े विवाह बंधन में बंधे

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, वर-वधु दांपत्य जीवन के रूप में अपने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश कर रहे हैं। वैदिक सनातन हिंदू धर्म के आधार पर चार आश्रमों का निरूपण है, जिसमें पहले आश्रम ब्रह्मचर्य आश्रम है, जिसमें शिक्षा ग्रहण करते हैं, दूसरा गृहस्थ आश्रम है गृहस्थ आश्रम को सब आश्रमों से श्रेष्ठ कहा गया है, द्वितीय आश्रम में आप नव प्रवेश कर रहे हैं। इस आशय के विचार आज स्थानीय कृषि उपज मंडी में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम में काशी सुमेरू पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती जी महाराज ने व्यक्त किये।उन्होंने कहा आपने शिक्षा ली है, लेकिन घर में चाहे बेटा हो या बहू हो घर में प्रवेश करने के साथ-साथ सास से बहुओं को झगड़ा नहीं करना चाहिए, शांति का बर्ताव करना चाहिए और बड़े लोग यदि कुछ कहते हैं, तो उसको श्रवण कर लेना चाहिए। यदि एक प्रश्न पर चार बात आप उल्टी करेंगे तो घर की प्रायः शांति भंग होगी। घर में सुखद वातावरण हो, परिवार का वातावरण शांति मय हो इसके लिये बड़ो की आज्ञा का पालन करते हुये खुशी-खुशी अपने परिवार में रहें। इस अवसर पर प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने कहा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह में जो आज शादी के बंधन में बंधे है ऐसे वर-वधुओं को शुभकामनाएं और बहुत-बहुत बधाई। आज का यह कार्यक्रम निश्चित रूप से इतिहास में दर्ज होगा और दमोह जिले में अभी तक लगभग साढ़े तीन हजार शादियां हो चुकी हैं, हटा विधानसभा में सामूहिक विवाह समारोह है, अभी तक की जानकारी अनुसार वहां पर लगभग 400-450 शादियां होने वाली है, इसका मतलब सामूहिक विवाह में लगभग 4 हजार वर-वधु दाम्पत्य जीवन के बंधन में बधेंगे और मध्य प्रदेश शासन की इस योजना में यदि हम मानलें कि 4 हजार लोगों को लगभग 20 करोड रुपए की राशि सभी वर-वधुओं के खातों में जाएगी जो एक बहुत बड़ी रकम है, जो उनके जीवन में आगे काम में आएगी। उन्होंने कहा गरीब परिवार की बेटियों की शादी करने का काम मध्य प्रदेश की सरकार कर रही है और आगे भी यह कार्यक्रम जारी रहेंगे। मध्य प्रदेश की सरकार बहुत सारी जनकल्याणकारी योजना में काम करती है। मध्य प्रदेश जो भी योजना लागू करता है, वह दूसरे राज्य के लोग उसको अपनाते हैं, लाडली बहना योजना मध्य प्रदेश में चलाई गई, छत्तीसगढ़ में महतारी योजना चालू की गई है, लाडली बहना योजना के तर्ज पर, तो सभी राज्य इसको लागू करते हैं।प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र

प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कृषि उपज मंडी में आयोजित हो रहे सामूहिक विवाह सम्मेलन में पहुंचकर नव दंपत्तियों को आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की सभी नव दंपत्ति सुखी, स्वस्थ और समृद्ध हो। दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा जब शादी हो जाती है, तो पिता कर्ज तले दब जाता है, मेरा, कहना है यह जो पश्चिमी सभ्यत

कॉलेज की डिग्री से कुछ नहीं होगा, पंक्चर की दुकान खोल लेना

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के उद्घाटन समारोह में भाजपा विधायक ने दे डाली छात्रों को सलाह

गुना। मध्य प्रदेश में सत्तारूढ़ दल बीजेपी के गुना विधायक का एक अजीबोगरीब बयान सामने आया है। बीजेपी विधायक पन्नालाल शाक्य ने प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के उद्घाटन समारोह के दौरान छात्रों से कहा कि ये कॉलेज की डिग्री से कुछ होने वाला नहीं है, मोटरसाइकिल पंक्चर की दुकान खोल लेना, जिससे कम से कम अपना जीवन यापन चलता रहे। मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने समारोह का फीता काटकर उद्घाटन किया था। भाजपा विधायक पन्नालाल शाक्य ने कहा कि मैं जो बात कहूंगा वो साइंस के फॉर्मूले से और गणित के फॉर्मूले से कहूंगा तो समझ लेना। ये जो महाविद्यालय हैं, शिक्षण संस्थाएं, ये कोई कंप्रेशर हाउस नहीं हैं, जिसमें डिग्री के हिसाब से हवा भर दी जाए और वो सर्टिफिकेट लेकर चला जाए। वास्तव में शिक्षण संस्थाएं वे होती हैं, जिनके ढाई अक्षर पढ़े सो पंडित होय, पोथी पढ़-पढ़ जगमुआ

पंडित भया न कोय। उन्होंने कहा कि एक विश्वविद्यालय वो था जो नालंदा विश्वविद्यालय गिना जाता था। इस कॉलेज में तो 18 हजार विद्यार्थी हैं। उसमे 12 हजार थे और 1200 शिक्षक थे। 11 लोगों ने उस विश्वविद्यालय को जला दिया था। 12 हजार केवल ये सोचते रह गए कि मैं अकेला क्या करूंगा। हिंदुस्तान का ज्ञान खत्म हो गया। क्या हम ऐसी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं ये इस पर प्रश्नवाचक चिन्ह है।

पर्यावरण को लेकर पूरे हिंदुस्तान में चिंता उन्होंने आगे कहा कि सबसे पहले उस पंचतत्व को बचाने की पूरी कोशिश करो, जिससे हमारा सबका शरीर बना है- जल, वायु, अग्नि, आकाश, पृथ्वी। आज पर्यावरण को लेकर पूरे हिंदुस्तान में चिंता है। पानी को लेकर पूरे हिंदुस्तान में चिंता है। प्रदूषण जो फैला है, उससे भी सब लोग चिंतित हैं, लेकिन इनमें से कोई उसका कोई श्रेष्ठ फॉर्मूला लेकर निकल ही नहीं रहा और ना कोई आगे काम करने के लिए तैयार है।

कम से कम आदमी की ऊंचाई तक तो पेड़ बढ़ाओ पेड़ लगाओ, हजारों पेड़ लग रहे हैं। आज पेड़ लगा दिया तो उसका पालन पोषण कब तक करने वाले हैं आप। पेड़ लगा दिया, रस्म अदा हो गई। कम से कम आदमी की ऊंचाई तक तो बढ़ाओ, तब पर्यावरण बचेगा। अवैध रूप से नदी, नाले सब पर कब्जा हो गया है। सरकारी जमीन पर कब्जा हो गया है। चरनोई की जमीन पर कब्जा हो गया है। इतने भुखमरे हो गए हम? इस स्तर पर हमने पर्यावरण दूषित कर दिया है। विधायक ने कहा कि आज हम प्रधानमंत्री श्रेष्ठ महाविद्यालय का हम शुभारंभ कर रहे हैं। मेरा आप सबसे निवेदन है कि केवल एक बोध वाक्य पकड़ लेना। ये कॉलेज की डिग्री से कुछ होने वाला नहीं है। मोटरसाइकिल की पंक्चर की दुकान खोल लेना, जिससे कम से कम अपना जीवन यापन चलता रहे।

असम में बाढ़ का प्रकोप जारी : 1342 ग्राम अभी भी जलमग्न, 25367.61 हेक्टेयर फसल क्षेत्र डूबा

ब्रम्हपुत्र का जलस्तर घटने के बावजूद कई गांव डूबे

दिसपुर। असम में बाढ़ की स्थिति में आंशिक सुधार हुआ है। कई भागों में बाढ़ का पानी घट रहा है, लेकिन 18 जिलों - कछार, नलबाड़ी, कामरूप, गोलाघाट, मोरीगांव, चिरांग, डिब्रूगढ़, धुबरी, ग्वालपाड़ा, नागांव, करीमगंज, कामरूप (एम), धेमाजी, माजुली, दारंग, शिवसागर, जोरहाट, विश्वनाथ के लगभग 5.98 लाख लोग अभी भी बाढ़ से पीड़ित हैं। एएसडीएमए बाढ़ रिपोर्ट के मुताबिक , 52 राजस्व सर्किलों के तहत 1342 ग्राम अभी भी जलमग्न हैं और बाढ़ के पानी में 25367.61 हेक्टेयर फसल क्षेत्र डूब चुका है। ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर नेमाटीघाट, तेजपुर और धुबरी में खतरे के निशान से ऊपर पहुंच चुका है। 13 जिलों में 172 राहत शिविरों और वितरण केंद्रों में 58,000 से ज्यादा लोग अभी भी शरण लिए हुए हैं। बाढ़ से 283712 पालतू पशु भी प्रभावित हुए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रशासन 13 जिलों में 172 राहत

शिविर और वितरण केंद्र संचालित कर रहा है, वर्तमान में 58,816 विस्थापित लोगों की मदद कर रहा है।

बाढ़ पीड़ितों को बांटा राशन

बीते 24 घंटों में, अफसरों ने बाढ़ पीड़ितों को 594.48 क्विंटल चावल, 110.95 क्विंटल दाल, 28.82 क्विंटल नमक और 2,580.04 लीटर सरसों का तेल वितरित किया है। अधिकारियों के मुताबिक सोमवार को असम में बाढ़ की स्थिति में काफी सुधार हुआ, क्योंकि असम के विभिन्न हिस्सों में जल स्तर तेजी से घट रहा है। गुवाहाटी में भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने बराक घाटी और मध्य असम के कुछ जिलों में हल्की बारिश की भविष्यवाणी को छोड़कर, कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

कोर्ट ने कहा- राजनीतिक बदला ना लें, केंद्र से इससे जुड़े डेटा पेश करने को भी कहा

कन्नड़ चैनल बंद कराने पर केंद्र को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कन्नड़ न्यूज चैनल पावर टीवी पर प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने को लेकर केंद्र सरकार को फटकार लगाई है। कोर्ट ने लाइसेंस रिन्यूअल के लिए आवेदनों के निपटारे तक ऐसे प्रतिबंधों के बारे में केंद्र से सवाल भी किया है।

चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की पीठ ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल विक्रमजीत बनर्जी से पूछा है कि कितने चैनलों ने लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा हमारे सामने डेटा पेश करें कि कितने चैनलों ने लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन किया था और इनमें से कितनों को प्रसारण बंद करने के लिए कहा गया था। हम जानना चाहते हैं कि पिछले तीन सालों में नवीनीकरण के लिए आवेदन करने वाले कितने टीवी चैनलों को मंजूरी मिलने तक प्रसारण बंद करने का आदेश दिया गया। पीठ में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल थे।

हालांकि प्रतिबंध के खिलाफ पावर टीवी की याचिका पर सुनवाई 22 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इसकी वजह सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता अनुपस्थिति बताई गई है। चैनल का प्रतिनिधित्व रंजीत कुमार और सुनील फर्नांडीस ने कर रहे थे। सुनवाई के दौरान सिन्हा ने पीठ को सूचित किया कि 12 जुलाई को शीर्ष अदालत के आदेश पर चैनल को फिर से शुरू कर दिया है। आदेश में चैनल के प्रसारण से प्रतिबंध हटा लिया गया था।

कई नदियों में खतरे से ऊपर बह रहा पानी, आ सकती है बड़ी तबाही

लगातार हो रही बारिश और नदियों में बढ़ रहे पानी से कई राज्यों में खतरा बढ़ गया हैं। केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक बिहार से लेकर असम की ज्यादातर नदियों में पानी का बहाव बहुत ज्यादा है। खास बात यह है कि सभी नदियों में पानी खतरनाक स्तर से ऊपर बह रहा है। इसको लेकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने गृह मंत्रालय को भी सभी जानकारियां दी हैं।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक बिहार की मुख्य नदियों से लेकर सहायक नदियों में लगातार जलस्तर बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक मधुबनी, पूर्णिया, दरभंगा, सुपौल, मुजफ्फरपुर, वैशाली, समेत बीरपुर, कमातुल और सहराघात जैसे इलाकों में नदियां अपने उफान पर हैं। रिपोर्ट बताती है कि अधवारा, महानंदा, कोसी और गंडक नदियों का पानी लगातार बढ़ता जा रहा है। जानकारी के मुताबिक मधुबनी में अधवारा नदी का जल स्तर लगातार खतरनाक स्तर से ऊपर बह रहा है। यहां इस नदी

का पानी खतरनाक स्तर से तकरीबन पौने तीन मीटर ऊपर है, जो लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी तरह बिहार के पूर्णिया में बहने वाली महानंदा नदी भी खतरनाक स्तर से ऊपर बह रही है। यहां के सेमराघाट पर करीब आधा मीटर ऊपर नदी बह रही है। जबकि दरभंगा के कमाथुल में भी नदी खतरनाक स्तर से ऊपर बह रही है।

कांग्रेस का बजट को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा हमला

बजट में प्रधानमंत्री से कुछ भी उम्मीद न करें

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा, वहीं 23 जुलाई को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारण की तरफ से केंद्र की भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश किया जाएगा। बजट सत्र की शुरूआत से पहले ही कांग्रेस केंद्र और पीएम मोदी पर हमलावर हो चुकी है। जोरहाट से कांग्रेस सांसद और लोकसभा में उप नेता गौरव गोगोई ने उम्मीद जताई है कि इस बार सदन की कार्रवाई निष्पक्ष तरीके से जारी रहेगा। वहीं उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार से बजट को लेकर कोई उम्मीद नहीं रखते हैं। इस दौरान गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि इससे पहले आयोजित हुए सत्र में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के सदन में दिए गए बयानों के कुछ हिस्सों को रिकॉर्ड से हटा

दिया गया था।

राहुल गांधी के बयान रिकॉर्ड से हटाए जाने पर बरसे गौरव गोगोई ने कहा कि हम चाहते हैं कि सदन निष्पक्ष रहे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी पार्टी के नेता राहुल गांधी की कुछ बयानों को पिछले सत्र के दौरान रिकॉर्ड से हटा दिया गया था। दरअसल जब राहुल गांधी ने कहा था कि पीएम मोदी, भाजपा और आरएसएस हिंदू समाज का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। सभी ने इसे देखा और सुना, जो कि रिकॉर्ड से हटा दिया गया और आज तक हम ये जान नहीं पाए कि ऐसा क्यों किया गया

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमले के बाद दिया पहला इंटरव्यू

ट्रंप बोले- मुझे तो मर जाना चाहिए था, भगवान ने बचाया

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले की घटना की वैश्विक तौर पर घोर निंदा हो रही है। इससे पूरी दुनिया हैरान है। अब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने इस हमले के बाद पहला इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने कहा कि मुझे यहां नहीं रहना। मुझे तो मर जाना चाहिए था, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे भगवान ने बचाया।

ट्रंप सोमवार से शुरू हुए रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के लिए मिल्वौकी जाते समय न्यूयॉर्क पोस्ट को इंटरव्यू दे रहे थे। इसमें उन्होंने कहा जब मुझ पर हमला हुआ तब सबसे आश्चर्यजनक यह हुआ कि मैंने न केवल अपना सिर घुमाया, बल्कि बिल्कुल सही समय पर और सही अनुपात में घुमाया वरना जो गोली मेरे कान को छूकर गई, वह आसानी से मेरी जान भी ले सकती थी। इस दौरान ट्रंप ने अपने दाहिने कान को एक सफेद पट्टी से ढक रखा था। इस दौरान पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अस्पताल के डॉक्टर ने भी उनसे कहा कि उन्होंने ऐसा कभी नहीं देखा। हमले में उनका बचना एक चमत्कार की तरह है। उन्होंने कहा कि लोग कह रहे हैं कि भगवान की कृपा से मैं अभी भी यहां हूं, वरना तो मुझे यहां नहीं होना था।

ट्रंप का हमलावर स्कूल की राइफल टीम से हुआ था रिजेक्ट, खराब निशानेबाज रहा

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए जानलेवा हमले को लेकर नई-नई जानकारियां सामने आ रही हैं। संघीय जांच ब्यूरो ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि पेनसिल्वेनिया की चुनावी रैली में ट्रंप पर गोली चलाने वाले युवक ने अकेले इस घटना को अंजाम दिया। एफबीआई इस घटना की जांच घरेलू आतंकवाद के पहलू से भी कर रही है। बंदूकधारी की पहचान 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में हुई है। क्रुक्स के स्कूल टाइम के दोस्त जेमिसन मायर्स ने अब नया खुलासा किया है। उसने बताया कि क्रुक्स को निशानेबाजी का शौक था, मगर स्कूल में वह खराब निशानेबाज था। क्रुक्स ने हाई स्कूल की राइफल टीम में शामिल होने की कोशिश की, लेकिन उसे रिजेक्ट कर दिया गया। साथ ही, प्री-सीजन सेशन के बाद उसे वापस नहीं आने के लिए कहा गया। नाम न छापने की शर्त पर टीम के एक सदस्य ने बताया कि क्रुक्स वास्तव में राइफल टीम के लिए फिट नहीं था। वह अच्छा निशाना नहीं लगा पाता था। वहीं, स्कूल डिस्ट्रिक्ट की ओर से कहा गया कि क्रुक्स कभी भी उनके रोस्टर का हिस्सा नहीं बना था।

सुप्रीम कोर्ट ने डीके शिवकुमार पर सीबीआई केस रद्द करने से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की याचिका खारिज कर दी है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की उस याचिका पर सुनवाई से इंकार कर दिया जिसमें उनके खिलाफ कथित आय से अधिक संपत्ति के प्रकरण को रद्द करने की मांग की गई थी। भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत दर्ज इस मुकदमा की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है। ज्ञात हो कि 19 अक्टूबर, 2023 को शिवकुमार ने हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। उच्च न्यायलय ने सीबीआई को अपनी जांच पूरी कर तीन माह के भीतर रिपोर्ट पेश करने का भी निर्देश दिया था। सीबीआई का आरोप है कि शिवकुमार ने कांग्रेस सरकार में मंत्री रहते हुए 2013 से 2018 के मध्य अपनी ज्ञात आय से अधिक संपत्ति अर्जित की। जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कर्नाटक हाईकोर्ट के अक्टूबर 2023 के निर्णय में हस्तक्षेप से मना कर दिया था। उच्च न्यायालय ने भी अपने फैसलों में केस रद्द करने से इनकार किया था।

मुंबई विस्फोट में 18 वर्ष बाद दोषियों की अपील पर सुनवाई

वर्ष 2015 में ट्रायल कोर्ट में दोषी ठहराए गए थे 12 लोग

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई में सिलसिलेवार ट्रेन विस्फोट मामले के 18 वर्ष बाद सोमवार को दोषियों की ओर से दायर अपील पर सुनवाई शुरू की। न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चंडाक की यह विशेष पीठ दोषियों को दी गई मौत की सजा के खिलाफ दायर की गई याचिका की भी सुनवाई करेगी।

11 जुलाई, 2006 को पश्चिम रेलवे की सात ट्रेनों में अलग-अलग स्थानों पर सात विस्फोट हुए। इसमें 180 से अधिक लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे। इस मामले में सितंबर 2015 में ट्रायल कोर्ट ने 12 लोगों को दोषी ठहराया था। इनमें से पांच को मौत की सजा सुनाई थी और सात दोषियों को आजीवन कारावास की सजा दी थी। इसके बाद राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में मौत की सजा की पुष्टि के लिए अपील की थी। ट्रायल कोर्ट की तरफ से मौत की सजा दिए जाने पर हाईकोर्ट की पुष्टि आवश्यक है। अदालत में दोषियों ने दोषसिद्धि और अपनी सजा को चुनौती देने के लिए भी याचिकाएं दायर की हैं।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी सुनवाई

वर्ष 2015 से लेकर अब तक 11 पीठों के समक्ष याचिकाएं आई हैं लेकिन, इन पर सुनवाई नहीं हुई थी। पिछले ही सप्ताह बॉम्बे उच्च न्यायालय ने इन याचिकाओं पर सुनवाई के लिए एक विशेष पीठ का गठन किया था। सोमवार को अदालत ने कहा कि इस मामले की सुनवाई प्रत्येक दिन सुबह के सत्र में होगी। अदालत ने यह निर्देश भी दिए कि दोषियों शारीरिक रूप से अदालत में पेश नहीं किया जाएगा और उनकी जेलों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई होगी। इससे पहले बचाव और अभियोजन पक्ष की तरफ से कहा गया है कि इस मामले की सुनवाई अगले छह महीनों तक चल सकती है।

सरकारी वकील राजा ठाकरे ने क्या कहा?

अदालत में सरकारी वकील राजा ठाकरे ने

अपनी दलीलों से मामले की शुरूआत की। उन्होंने विस्तार से अदालत को बताया कि धमाके के दिना क्या हुआ था। ठाकरे ने अदालत में कहा कि विस्फोट इतने भयानक थे कि ट्रेनों के परखच्चे उड़ गए थे। उन्होंने आगे कहा, ह्यजिस जगह पर विस्फोट हुआ था, वहां शरीरों के टुकड़े पड़े हुए थे और हर जगह खून बिखरा हुआ था। चारों तरफ लोगों के बैग और सामान बिखरे पड़े थे।ह्ल उधर, कुछ दोषियों की तरफ से अदालत में पेश हुई वकील पायोशी रॉय ने कहा कि आरोपी मासूम हैं और उन्हें मामले में फंसाया गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569